

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 15]

नई विल्ली, शनिबार, अप्रैल 12, 1975 (चैत्र 22, 1897)

NO. 15]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 12, 1975 (CHAITRA 22, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

धक्य स्थायाक्षयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ कोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संकन्न और अधीन कार्याक्षयों द्वारा जारी की गई अधिक्षुचमाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

गृह मंद्रालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1975

सं० एफ० 4/2/73-स्थापना (सी० म्रार० पी० एफ०)— राष्ट्रपति श्री महिन्दर सिंह, उप-पुलिस ग्रधीक्षक को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्बरूप श्रागामी म्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमान्छेंट के पद पर श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

2. उन्होंने उप-पुलिस श्रधीक्षक (कम्पनी कमांडर) 41 बटालियन, सी० ग्रार० पी० एफ० के पद का कार्यभार 16-12-74 ग्रपराह्म को त्याग दिया ग्रौर 19-12-74 के ग्रपराह्म से केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस दल, 13 बटालियन में सहायक कमांडेंट के पद का तदर्थ रूप से कार्यभार संभाला।

### दिनांक 5 मार्चे 1975

सं० भ्रो० 2-54/72-स्थापना—कर्नल ए० एम० डेविड ने प्रतिनियुक्ति का समय समाप्त होने पर कमांडेंट द्वितीय सिगनल वाहिनी केन्द्रीय भ्रारक्षित सुरक्षा दल का कार्यभार दिनांक 13-2-75 (भ्रपराह्न) को त्याग दिया।

एस० एन० माथुर, सहायक निदेशक (प्रशासन) वित्त मंत्रालय (ग्राधिक कार्य विभाग) भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 28 फरवरी 1975

सं० 3495/ए०—दिनांक 28-11-74 की प्रधिसूचना सं० 2783/ए० के कम में श्री रंगनाथ लक्ष्मण गोखले, भंडार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति उन्हीं गर्तों के साथ 31-8-75 तक प्रथवा इसके पहले उक्त पद की पूर्ति नियमित रूप से हो जाए तब तक श्रागे बढायी जाती है।

> वि० ज० जोशी, महाप्रबंधक,

भारतीय लेखा तथा लेखा-परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1975

सं० 217-सी० ए०-I/17-72—श्री टी० एम० श्ररुणाचलम, स्थायी लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) पचास वर्ष की भ्रायु प्राप्त होने पर 23-3-1974 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छा मे निवृत्त हो गए।

एस० डी० भट्टाचार्य, उप निदेशक, (वाणिज्यिक)

# कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1975

सं अशासन-1/पी एफ । सी एल दुन्ना / 3016--एफ । श्रार० 56(के०) के श्रन्तर्गत 50 वर्ष श्राय होने पर सरकारी सेवा से निवत्त हेत् श्री सी०एल०दुमा द्वारा दिए गए नोटिस के भनसरण में श्रीमान् महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्य श्री सी० एल० दुस्रा, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा प्रधिकारी को 15/2/75(भ्रपराह्म) से 3 मास के नोटिस की श्रवधि पूर्ण होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

श्री दुश्रा की जन्मतिथि 1 जनवरी, 1925 है।

एच० एस० दुग्गल वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन) कार्यालय महालेखाकार, मध्य प्रदेश-I

ग्वालियर, दिनांक 4 मार्च 1975

प्रशासन एक/4988--कार्यालय महालेखाकार, मध्यप्रदेश, ग्वालियर के स्थायी प्रनुभाग प्रधिकारी तथा स्थानापन्न लेखा प्रधि-कारी श्री एम० एन० पंडित को सिविल सेवा विनियमावली (पेंशन) 1972 के नियम 43 के ग्रंतर्गत स्वेच्छिक शासकीय सेवा के निवृत्त होने की श्रनमति प्रदान की जाती है।

हरू प्रपटनीय

वरिष्ठ उप महालेखाकार, (प्र०)

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक,

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए०—वार्धक्य निवर्तन की भ्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के मामने लिखी तारीख से पेंशन स्थापना को धन्तरित किया जाएगा :-

ऋम नाम रोस्टर सं० सहित सं०	ग्रेड		स्थापना की तारीख		संगठन 	
<ol> <li>जी० एस० श्रग्रवाल (पी/18)</li> <li>बी० डौडैया (पी/252)</li> <li>बलबीर नारायन खन्ना (पी/316)</li> <li>बी० एस० जस्तल (श्रभी नियत नहीं हुआ)</li> </ol>	स्थायी लेखा अधिकारी	31-5-75 28-2-75	(ग्रपराह्न) (ग्रपराह्न)	रक्षा लेखा रक्षा लेखा	नियंत्रक, नियंत्रक	(श्चन्य रैंक) उत्तर, दक्षिण कमान, पूना , (श्चन्य रैंक) उत्तर, (वायु सेना) देहरादून

दिनांक 5 मार्च 1975

सं० 40011(2)/74-प्रशा०-ए०(1) वार्धंक्य निवर्तन की भ्राय प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक

क्रम नाम रोस्टर सं० सहित सं०	ग्रेड	पेंशन स्थापना की भ्रन्तरण की तारीख		संगठन		
		का भ्रन्तरण	का ताराख			
सर्वेश्री						
1. पी० वेंक्टारामानन (पी/2)	स्थायीलेखा ग्रधिकारी	30-6-75	(भ्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरा <b>द्</b> रन		
2. डी०जी०भावे (पी/2 <sup>5</sup> )	स्थायी लेखा श्रधिकारी	31-5-75	(ग्रपराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (श्रफसर) पूना		
3. श्रार० साऊन्द्राराजन $(41/227)$	स्थायी लेखा प्रधिकारी	30-6-75	(भ्रपराह्म)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून		
4. बी० वी० फड़के (पी/468)	स्थायी लेखा श्रधिकारी	30-4-75	(श्रपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीयों) कलकत्ता		
5. बी० जी० तलवलकर (श्रभी नियत	स्थानापन्न लेखा श्रधि-	31-5-75	(अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रफसर) पूना		
नहीं हम्मा )	कारी					

2. निम्नलिखित को इस विभाग की श्रधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए० दिनांक 4-1-75 में पैरा 2 के रूप में जोड़ा जाता है:-

''श्री भगवती प्रसाद स्थायी लेखा ग्रधिकारी को 10-2-75 से 27-2-75 तक 18 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी श्रौर 28-2-75 की एक दिन की अजित छुट्टी मंजूर की गई है।"

 निम्नलिखित को इस विभाग की श्रिधिसूचना सं० 40011(2)/74-प्रशासन-ए० दिनांक 22-1-75 में उप पैरा 1 के रूप में जोड़ा जाता है।

''श्री एस० पी० शर्मा, स्थानापन्न लेखा श्रधिकारी को 1*7-2*-75 से 16-3-75 तक 28 दिन की सेवा निवृत्ति पूर्व भ्रजित छुट्टी भौर 17-3-75 तक 4 दिन की प्रजित छुट्टी मंजूर की गई है।"

> एस० के० सून्दरम, रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

श्रम मन्त्रालय,

श्रम ध्युरो,

शिमला-4, दिनांक 12 अप्रैल 1975

सं 23/3/75-सी ०पी ० आई ०--- फरवरी 1975 में ग्रीद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य स्थकाँक (आधार वर्ष 1960≕100) जनवरी 1975 के स्तर से एक अंक घटकर 325 (तीन सी पच्चीस) रहा। फरवरी, 1975 माह का सूचकाँक 1949 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 395 (तीन सौ पिचानवें) आता है।

कृष्ण कुमार भाटिया,

निदेशक

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) की **धारा** 269**ष** (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० पी०-726/74---यतः मुझे रविन्दर कूमार ध्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और जिसकी सं० 1155 है तथा जो उग्गी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नकोवर में रजिस्ट्री-करण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल केलिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के अन्तरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् — -

- श्री प्यारा सिंह पुत्र हर्नाम सिंह, वासी उग्गी तहसील, नकोदर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री हजारा सिंह पुत्र जैमल सिंह वासी रसूलपुर, तहसील जालन्धर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

गांव उग्गी में 34 कनाल 1 मरले भूमि जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकर्ता नकोदर के, जुलाई, 1974 के वसी का नं० 1155 में दर्ज है।

> रविन्दर कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालंघर।

तारीख: 3-3-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

मायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 3 मार्च, 1975

निर्देश सं० ए० पी०-727-74--यतः मुझे रविन्दर कुमार **भा**यकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रधिक है श्रीर भ्रौर जिसकी सं० 1154 है तथा जो उग्गी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1974 की को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए गई है और भ्रन्तरित की यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल दृश्यमान प्रतिफल प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (धन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- श्री प्यारा सिंह पुत्र हरनाम सिंह, वासी उग्गी तहसील निकादर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हजारा सिंह पुत्र जैमल सिंह, वासी रसूलपुर कलां तहसील, जालंधर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

गांव उग्गी में 33 कनाल, 4 मरले भूमि, जिसका पूर्ण रूप रिजस्ट्रीकर्ता नकोदर के, जुलाई, 1974 के वसीका नं० 1154 में दर्ज है।

> रविन्दर कुमार सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालंधर।

तारीख : 3-3-1975

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 13 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ए०-5/जुलाई '74/करवीर/183--यतः मुझे एच० एस० श्रीलख म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मुल्य भ्रौर जिसकी सं० सी० एम० ऋ० 2104 है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करवीर (कोल्हापुर) में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के **९**श्यमान प्रतिफल केलिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी भिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उरवारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री वाई० एस० तस्ते, कांस्टीच्युटेट श्रटर्नी श्रीमती महाराज कुमारी, एस० एस० उमिलाराजे ब्ही० छोरपड़े के लिए, न्यु पैलेस, कोल्हापुर। (श्रन्तरक)
- 2. दि० इंडियन ह्याम पाइप कम्पनी लिमिटेड, कन्स्ट्रमशन हाउस, वालचंद हीराचंद मार्ग, बलार्ड इस्टेट, बम्बई-1। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (धा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही धर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फी होल्ड जमीन का टुकड़ा, जिसका क्षेत्रफल—दोन एकड़ (87120 वर्ग फीट) याने 8094 वर्ग मीटर्स है, जो वार्ड इ, सर्वे कमांक 2104 (पुराना सर्वे कमांक 2112), पूना वंगलोर, रास्ते के पूर्व के तरफ सब रजिस्ट्री करवीर कक्षा में कोल्हापुर म्युनिसिपल कारपोरेशन के कक्षा में जो निम्न प्रकार से घरा हुआ है:—

पूर्व तरफ--डी० डी० निबालकर का प्लाट।
पश्चिम तरफ--पूना बंगलोर रास्ता।
उत्तर के तरफ--सर्वे क० 2104 का भाग।
दक्षिण के तरफ--रोतकरी सहकारी संघ लिमिटेड, कोल्हापूर का प्लाट।

एच० एस० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 13-3-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पूना-1411004, दिनांक 14 मार्च 1975

निर्देश सं० सी० ग्रो० 5/जुलाई 74/सोलापूर/184/74-75--यत: मुझे एच० एस० ग्रौलख आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० फा० प्लाट नं० 56/5/1, 56/5/2, 56/5/7, 56/5/8 है तथा जो सोलापूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सोलापुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 11-7-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-म के अमुसरणमें, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री मिल्लिकार्जुन सांबप्पा उपासे, 102/ब-7, भवानी पेठ, सोलापुर।
- 2. श्री रामकृष्ण बिसप्पा, उदयगीरी, 175/3 द्वारा मै० यशवंत वार्डन मार्ट, कौटंम चौक, सोलापूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं ।

उकत सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

> एच० एस० स्रोलख सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना।

तारीख: 14-3-1975

प्ररूप आई० टी० एम० एस०----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-बैंगलूर

बम्बई, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० ग्र० ई०-2/1047/2594/74-75--यतः मुझे गो० स० राव, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रंज 2 बम्बई, स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम कहा की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी संब भ्रंतिम प्लाट नंव 113, टीव पीव एसव है, जो बिलेपार्ले (पूर्व) में स्थित है (भ्रौर इससे उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई (विलेपार्ल नं० 1, सीटी सं० नं० 998 (1 से 8)) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-7-1974 की पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1.) सर्वेश्री (1) मधुकर मोतीराम तलपदे
- (2) श्रीमती लता मधुकर तलपदे
- (3) तुषार मधुकर सलपदे
- (4) श्रीमती शोभना तुषार तलपदे
- (5) परिमल मध्कर तलपदे
- (6) श्रीमती विभापरिमल तलपदे
- (7) उदय तुषार तलपदे
- (8) रुपाली परिमल तलपदे।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शंकर गणेश पेठे (श्रन्तरिती)

किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

को य**ह सूचना जारी कर**के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रुयनत शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन के वे तमाम ट्कड़े जो विलेपार्ले (पूर्व) तालका पहले साउथ सांलसेंट के नाम के ज्ञात लेकिन ग्रभी ग्रंघेरी जिला बम्बई उपनगर रजिस्ट्रेशन उपजिला अम्बई नगर के नाम से ज्ञात है, माप मे 750.76 वर्ग मीटर (910 वर्ग गज) या म्रासपास श्रीर मूल प्लाट नं० 51, टाउन प्लानिंग स्कीम, विलेपार्ले नं० 1, श्रीर फाइनल प्लाट नं० 113 के नाम से ज्ञात श्रौर भराजस्व के संग्रहक द्वारा सर्वेक्षण नं० 1, के भाग के ग्रन्तर्गत निर्धारित है ग्रीर विलेपार्ले गांव के श्रधिकारों के श्रभिलेख में प्रविष्टि नं० 1435 के श्रन्तर्गत प्रविष्ट है जिसके साथ में सभी इमारतें, निवास, वाटिका श्रौर खपरैल मकान भीर ब बगलों-इमारत का पहला श्रीर तला जो वहां पर स्थित है भ्रीर कुंग्रा भी ग्रौर "लक्ष्मी विला" के नाम से ज्ञात ग्रौर बम्बई म्यनिसिपल के भावों एवं करों के संप्रहक श्रौर निर्धारक द्वारा ''के'' वार्ड नं० 1053, स्ट्रीट नं० 2, तिलक मंदिर रोड, खपरैल मकान के लिए श्रौर 1053 (1) 1 चितरंजन रोड, बंगला। जमीनों के लिए श्रीर नगर सर्वेक्षण प्राधिकारियों द्वारा वर्ष 1956 श्रीर 1958 के बीच जायदाद में किए गए परिवर्तनानुसार सिटी सर्वे विलेपार्ले (पूर्व) तालुका भ्रंधेरी, जिला बम्बई, उप नगर भ्रौर प्रापर्टी रजिस्टर कार्ड में श्रालेखित है श्रीर जायदाद जो सिटी सर्वे नं० 998, 998 (1), 998 (2), 998 (3), 998 (4). 998 (5), 998 (6), 998 (7), 998 (8) अमश: सभी नम्बर माप में 572. 6, 49. 3, 18. 7, 21. 2, 57. 4, 20. 5, 21. 2, 18. 5 श्रीर 15 जिसकी पूरी सीमाएं इस प्रकार चिरी हुई हैं: ग्रर्थात पूर्व की भीर से उक्त टाउन प्लानिंग स्कीम नं० 1 के फाइनल प्लाट नं० 53 द्वारा भ्रीर परिचम की भ्रोर से वर्तमान में ज्ञात तिलक रोड नामक "पब्लिक" रोड द्वारा, और उत्तर की भ्रोर से वर्तमान में चितरंजन रोड के नाम से ज्ञात श्रन्य सार्वजनिक मार्ग द्वारा श्रीर दक्षिण की श्रोर से उक्त विलेपार्ल की टाउन प्लानिंग स्कीम के प्लाट नं० 52 द्वारा।

गो० स० राव सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (ानरीक्षण)

तारीख : 12 मार्च, 1975

म्रजन रेंज-2, बम्बई।

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाब

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1975

निदश सं० एस० श्रार०/जबलपुर/20-7-74——श्रत:, मुझे, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269 ख के श्रधीन

सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 35 है, जो नयी ग्ररटोन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-7-1974 को के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्वोक्त सम्पत्ति दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपीत् :---

- श्री सवाई सिंघई ईश्वरी प्रसाद पुत्र स्व० श्री रायबहादुर मुझालाल जैन, निवास भलदारपुर, जबलपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरेणचन्द जैन पुत्र श्री हेमबन्द जैन, निवास भलदार-पुर, जबलपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पक्षों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 25, नजुल सीट नं० 4, नपीग्रर टाउन, जबलपुर ।

एम० एफ० मुन्गी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० आर०/दुर्ग/15-7-74—आत:, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट है, जो दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-7-1974 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात् :— 2—16GI/75

- श्रीमती निरजा पत्नी श्री ग्रविनेमचन्द, 32 बुनगालाव भिलाई। (ग्रन्तरक)
- श्री पादरी हरीनीस जोसीिघह पुत्र वी० जोसीिघेह, निवास दुर्ग। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं:---

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका-भाग दैं।

### अमुसुची

बुनगालोव नजुल प्लाट नं० 14, सीट नं० 13, पी० एच० नम्बर 78 ग्रार०/नम्बर, 269 दुर्ग।

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० म्रार०/विलासपुर/३-७-७४---म्रातः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भिम बनी हुई है, जो विद्यानगर कालोनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, विलासपुर मे रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य संकमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नेलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 143) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थातः ----

- 1. (1)श्री घडदुल रहीम पुत्र घडदुल गनी, (2)श्री कलावक्स पुत्र पिरवक्स, (3)श्री बरकत घली पुत्र गण श्री राजाबग्रली फरिस्ता। (4)श्री सदहदीन पुत्र राजाबग्रली फरिस्ता, श्री पुरसोत्तम लाल पुत्र ग्रोंकारलाल गर्मा वकील, निवास रायपुर, मार्फत राजाबग्रली वाली मोहल्ला, जयस्थम चौक, रायपुर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री विष्णु प्रसाद पुत्र प्यारेलाल गर्मा, नारायनपुर श्रम्बिका-पुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न भे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रोपर्टीज बनी हुई जूना विलासपुर पास विद्या नगर कालोनी, विलासपुर—एरिया प्लाट 4.08 एकड बना हुआ एरिया 7,000 वर्ग फीट।

> एम० एफ० मुन्छी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, भोपाल।

तारीख : 10-3-1975

प्रारूप आई०टी०एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार०/भोपाल/ 1-7-7 4---ग्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक **है** उचित बाजार भ्रौर जिसकी सं० खुला प्लाट है, जो अल्पना टाकीज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्द्रीकृत म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 1-7-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने बा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी फिसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घातः :--

- सर्वश्री हुसेन ट्रेडिंग कम्पनी द्वारा हाजी श्रजाव हुसेन पुत्र यासीन श्रली, भिन्ड बैंक स्राफ बड़ौदा, हमीदिया रोड, भोपाल । (श्रन्तरक)
- श्री नरेन्द्र कुमार पुत्र चिरोजी लाल उपाल ब्लाक नं० 13, क्वाटर नं० 156, गोविन्द नगर, भोपाल । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यंगाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुला प्लाट एरिया 3011 स्क्वायर फीट, ब्लाक नं० 3, II पोरसन, पास म्रल्पना टाकीज, भोपाल ।

> एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 10-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० श्रार०/जबलपुर/25-7-74--श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्रह्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है, जो कमला नेहरू नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 25-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) ध्रन्तरण से हुई िकसी ध्राय की बाबत ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ध्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर 'अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः भ्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. श्री सुभाषचन्द्र मोहवी वकील निवास, 720 निवाद गंज, कमला नेहरू मार्ग, जबलपुर। (भ्रन्तरक)
- 2. श्री रामनारायन पुत्र पं० कृपाणंकर पाठक, निवास 64/2 चित्राजान मार्ग, जी० सी० एफ० स्टेट, जबलपुर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिंन की अवधि, जो भी धवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 141/1, 142/2 मकान नं० 720 कमला नेहरू मार्ग, जबलपूर।

एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-3-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार०/राजनन्दगांव/ 5-7-74--ग्रतः, मृझे, एम० एफ० मन्शी, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है उचित बाजार म्रीर जिसकी सं० प्लाट भ्रौर भूमि है, जो जी० ई० रोड में स्थित है (भीर इससे उपाबक्ष भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजनन्दगांव में रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 5-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दुश्यमान प्रतिफल के अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह त्रितात प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रन्सरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं, उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. हंस राज पुत्र वीरसींग चारिस्टन, निवास टान्का पारा राजनन्दगांव। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स लक्ष्मी साव मिल्स द्वारा पार्टनर श्री चन्दूलाल पुत्र खोमजी भाई पटेल, जी० ई० रोड, राजनन्दगांव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट भ्रौर भूमि एरिया 33,000 वर्ग फीट, जी० ई० रोड, राजनन्दगांव।

> एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 10-3-1975

प्रक्रप आई० टी० एन० एस०——— भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० श्रार०/भोपाल/31-7-74---श्रतः, मुझे, एम० एफ० मन्शी, श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961) का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' गया ह,) की धारा 269-ख के ब्रधीन सक्षम प्राक्षिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट भीर भूमि है, जो ईदगाहील में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल मे रजिस्ट्रीकृत भ्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 31-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वद्यापुर्धोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अग्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अग्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

 श्री एस० जोगिन्द्र सिह, (2) श्री एस० राजेन्द्र सिंह, पुत्रगण तिलोक सिंह, निवास हमीदिया रोड, भोपाल। (मन्तरक)

 श्री मोहम्मद मक्सूद सिदगी निवास हवा महल रोड, भोपाल। (श्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट भ्रौर भूमि पार्ट नं० 40 भ्रौर 43 बाहर का खसरा नं० 96, टोटल एरिया 1233 वर्ग बनी हुई ईदगाहील, भोपाल।

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल ।

तारीख: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार०/इन्दौर/11-7-74--ग्रतः, मुझे, मन्शी भ्रायकर एफ० 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० तीन मंजिल है, जो तिलक पट्टी में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रजिस्ट्रीकृत भ्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार प्रतिफल के दृश्यमान लिए कम है की गई और विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ·बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अदीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मै, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :— 1. श्री बी० एन० कन्देकर, 14 ०, तिलक पट्टी, इन्दौर (भ्रन्तरक)

 श्रीमती कुमुद देवीदास ठाकर, 17 सिन्ही लता गंज, इन्दौर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यिवसयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिकाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मंजिला बिल्डिंग बनी हुई, 149 तिलक पट्टी, इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाक 10 मार्च 1975

निर्देश सं० एस०म्रार०/इन्दौर/22-7-74---मृतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) के अधीन सक्षम प्राधिकारी 269-耳 को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका काजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० खसरा नं० 139/3, 210/1 है, जो गांव सिरपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) केंग्रीन 22-7-74 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल केलिये की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा, 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

- कालोनी एगरीकंचन फार्म, पार्टनर श्री बद्री नारायण कालोनी, 11 एम० जी० रोड, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स रासिक नागिन दास शामजी भाई साह, श्रीनिकेतन 14 क्यूनस रोड, बम्बई। ( अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

खसरा नं० 139/3 स्नौर 210/1, टोटल एरिया 38.62 एकड़, गांव सिरपुरा, इन्दौर ।

एम० एफ० मुन्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙-

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार०/रायपूर/16-7-74--श्रत , मुझे, एम० एफ० मुन्शी, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 'उचित बाजार मूल्य 25,000√-र० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट न० ए/4 है, जो सिविल स्टेशन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीवृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति भा उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण वे लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य से अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 जा 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 जा 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या क्या जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग के अनु**सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधा**रा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
3—16GI/75

1. (1) श्रीमती पम्मीबाई पति रूपचन्द ग्राहूजा, (2) ग्रानन्द राम पुत्र रूपचन्द ग्राहूजा, (3) जवाहर पुत्र जमनादास, (4) भगतराम पुत्र जमनादास, सभी निवास रिवगराम, रायपुर। (5) मायापित ख्यालदास निवास समालपुर. (6) श्रीलाबाई पति चन्द्रपास, (7) श्रीमती पुष्पाबाई पति लक्ष्मीचन्द निवास तिसैंडा, (8) कमलाबाई पति ग्रातमाराम निवास गांधी। (ग्रन्तरक) 2 श्री मुरलीधर पुत्र हेमराज नयापारा, रायपुर।

(श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हु।

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—-इसमे प्रयुक्त सब्दों और पदो का, जो आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

नजुल प्लाट न० 9/4, ब्लाक न० 11, सिविल स्टेशन रायपुर v,म० पी० रायपुर, v,रिया, 2020 वर्ग फीट, दुकान उस पर वनी हुई ।

एम० एफ० मुन्जी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीखा: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 मार्च, 1975

निर्देश सं० एस० भार०/रायपुर/16-7-74---श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) धारा 269 ख सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए०/4 है, जो सिविल स्टेशन में स्थित है (भौर इससे उपाबन भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत **ध**िं चिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत श्रिष्ठक है भीर यह कि भ्रन्तरक (अन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) **के बीच** ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के मधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात :

1. श्रीमती मम्मी बाई पित रूपधन्द श्राहूजा, (2) श्रानन्द राम, पुत्र रूपधन्द श्राहूजा, (3) जवाहर पुत्र श्रमनादास, (4) भगतराम पुत्र श्लमनादास सभी निवास रिवगराम, रायपुर, (5) भाया पित ख्यालदास निवास समालपुर, (6) शीलाबाई पित चन्द्रापास, (7) श्रीमती पुष्पाबाई पित लक्ष्मी चन्द्र निवास तिरोड़ा, (8) कमलाबाई पित श्रातमाराम निवास गांधी।

(अन्तरक)

 श्री हेजराम पुन्न सक्ष्मीदास, निवास नयापारा, रायपुर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाही करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वन्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

मजुल प्लाट नं० 9/4, ब्लाक नं० 11, सिविल स्टेशन रायपुर एम० सी० रायपुर ऐरिया 1785 स्क्वायर फीट साथ में दुकान उस पर बनी हुई रायपुर।

> एम० एफ० मुन्शी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपास ।

तारीख: 10-3-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> सहायक द्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय द्रार्जन रेंज, भोपाल

> > भोपाल, दिनांक 10 मार्घ 1975

निर्देश सं० एस० ग्रार०/रायपुर/16-7-74-मतः, मुक्ते आयकर श्रिविनयम, 1961 एम० एफ० मुम्ली, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की घारा 209 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० ए/4 है, जो सिविल स्टेशन में स्थित 🖁 (ब्रीर इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, रायपुर मे रजिस्ट्रीकरण **प्रधि**नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि ययापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे ५४४ मान प्रतिकित का पन्न ह प्रतिमात से अधिक है और यह है अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-अन्तरण लिखित में वास्त**विक** शिखित उद्देश्य से रूप से कथित नहीं किया भया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और या;
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनिमय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए ;

जत: अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरण में, बैं, उक्त अधिनियम, की द्वारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. पम्मी बाई पति रूपचन्द ग्राहुजा, (2) श्रानन्दराम पुन्न रूपचन्द ग्राहुजा, (3) जवाहर पुन्न झामनदास, (4) भगतराम पुन्न झमनावास सभी निवासी रिवगराम, रायपुर, (5) माया पति ख्याल वास, निवास समालपुर। (6) शीलाबाई पति चन्त्रपाल, (6) श्रीमती पुष्पा बाई, पति सक्ष्मीचन्द निवास तिरौड़ा, (8) कमलाबाई, पति ग्रतमाराम निवास-गांधी। (अन्तरक)

लालचन्द पुत्र हेमराज, नयापारा, रायपुर।
 (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पन्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धनुसूची

नजुल प्लाट नं० 7/4भ्र ब्लाक नं० 11, सिविल स्टेशन, रायपुर एम० सी० रायपुर एरिया, 2020 वर्ग फीट। बुकान उस पर बनी हुई।

> एम० एफ० मु**न्शी** सक्षम प्राधिका**री** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, **भो**पास ।

तारीख: 10-3-1975 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश नं० 13-एच०/ग्रर्जन--श्रत. मुझे विशम्भर नाथ, अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित रु० से मुल्य 25,000/-भ्रौर जिसकी स० 450, 452 है तथा जो शहादत पुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कर्यालय मोहम्मदाबाद मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि श्रन्तरक (ब्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में बास्तविक रूप से नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए

धतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिति व्यक्तियों, अर्थातुः- 1. श्री सत्यन्द्रसिंह श्रौर श्रन्य।

(अन्तरक)

2. फर्म एच० के० साइडिंग वर्क्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिमाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक किता फैक्टरी शहादतपुर जिला ग्राजमगढ़ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 24-2-1975

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 फरवरी 1975

निर्देश स० 13 एच०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे बिशम्भर नाथ भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष्य श्रीर जिसकी सं० 450 श्रीर 452 है, तथा जो शहादतपुरा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय मोहमदाबाद, आजमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और **भ**न्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितिकों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्रायकी बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए

अतः अब उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री सुरेन्द्र सिंह

(ग्रन्तरक)

2. फर्म एच० के० साइडिंग वर्क्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

एक किता फैक्टरी जो कि शहादत पुरा जिला भ्राजमगढ़ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 24-2-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) भर्षन रेंज, लखनऊ

अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-- कि से अधिक है और जिसकी सं० 450 और 452 है तथा जो णहादत पुरा में स्थिति है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोहमदाबाद आजम रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 10) के अधीन तारीख 5-8-74 को

को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम क दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखिष उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी वरने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 262ग के अनुसरण में, मैं अधिनियम की घारा 269-भ की छपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री सुरेन्द्र सिंह

(भन्तरक)

2. फर्म एच० के० साइजिंग वर्कस ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर राम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति धारा, अधीहस्ताक्षरी के पास शिखत में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर 'अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भर्य होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता फैक्टरी जो वि शहादत पुरा जिला आजम में स्थित है।

विशम्भर ना**ष** सक्षम ×र्तिधका**री,** 

सक्तरक भायकर भायकत (निरीक्षण),

धिनांक : 24-2-75

श्रर्जन रेंब, लखनऊ।

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निर्देश सं० 52-एस०/ए०० क्यू०---श्रतः

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) ध्रजैन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 7 मार्च 1975

विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण सम्पत्ति, जिसका उचित है कि स्यावर अधिक ह धौर मुल्य 25,000/-₹० से जिसकी सं 0 10/77 (नन्द भवन) है तथा जो मो 0 ग्रालमगीरी बंध बरेली में स्थिति है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्दीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 19-8-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इप्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्धोक्त सम्पत्ति का उचित

का पूर्वास सम्मास के जिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से बिस्त नहीं विया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की यायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिये;

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थातः——

1. श्री राज कुमार व मन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती णारवा वेवी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगः, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुस ची

एक किता मकान जिसका कि रक्या 280 वर्ग गज है जो कि मोहस्ला भालमगीरी गंज बरेली में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

**तारीख** : 7-3-75

मोहरः

# प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰—

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याक्षय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू०/23-1-302/(150)/1-1/74-75---यतः मुझे जे० कथूरिया

बायकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सिटी सर्वे नं० 1553 से 1560, 1566 तथा 1567, खाडिया वार्ड नं० 1 है, तथा जो खाडिया चार रास्ता, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्रा श्राधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लि**ए** अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तथ पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री घेलुभाई उर्फ भास्कर राव प्राणलाल देसाई, कालु-मियां का तकिया , खाडिया, गोलवाड घ्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 मे० पुरोहित एन्ड कम्पनी के हेतु तथा लिए,
 श्री रुगनाथ तेजाजी पुरोहित, 3 साधना सोसायटी, शाहीबाग रोड, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

- (1) मे० भ्रोधडलाल लल्लु भाई,
  - (2) बलदेव दाम मणील। $oldsymbol{ar{w}}$ ,
  - (3) जोइताराम जीभीभाई,
  - (4) हरिहर प्रिटिंग प्रेस,
  - 5) धीरु भाई एण्ड सन्स,
  - (6) मगनलाल रणछोड लाल सोलकी,
  - (7) दीनेशचन्द्र चन्द्रकात शाह,
  - (8) मधुकान्त एच० पटवा,
  - (9) बी० डी० भट्ट,
  - (10) ठाकोरलाल डाह्या भाई पटेल ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्ष्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित है, वही अर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक बिल्डिंग जो 457 वर्ग गज भूमि पर स्थित है श्रौर जिसके सर्वे नं० 1553 से 1560, 1566 तथा 1567 है श्रौर जो खाडिया वार्ड-1 खाडिया चार रास्ता श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक : 12-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 7th March 1975

Acq. File No. 169/74-75/J, No. 1(198)/74-75.--

यत:, मुझे, K. Subba Rao म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है ) धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी 269-खा को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं Door No. 22-1-139 Powerpeta है जो Eluru में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, एलरू मे रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से 7461-4-51 कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पेति क। उचिह बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब, धारा 269-ग of the said Act के अनुसरण said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्चात:--4-16GI/75

(1) Chinta Swarwarao, Partner of M/s Majeti Rama-Mohanarao, Vijayawada.

(अन्तरक)

(A) 1. Chitturi Survarao and 2. Smt. Chitturi Venkatalaxmi C/o Padma Agencies, Powerpeta, Eluru.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

West Godavari District—Huru Taluk—Eluru Sub-Registrar—Eluru Municipality—Eluru Town—Powerpeta—Old Ward 7/E—New ward No. 16 Asst. No. 6173—Door No. 22-1-139—T.S. No. 567—403 Sq. Yds. site with building.

BOUNDARIES

North Site and Godown building of Sri J. Ramachandrarao

East: Main Road—645 ft. South: Site of G. Narsoji 75 ft. West: Site of B. L. N. Somayajulu 51-6- ft.

K. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada,

Date: 7-3-1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, काकीनाष्टा

Kakinada, the 7th March 1975 Acq. File No. 170/J. No. I(84)/VSP/74-75.-यतः मझे, K. Subbarao, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ए० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० Plot No. B-11 Vantitadi Agraharam Vizianagaram में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय Vizianagaram रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख - 31-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष प्रतिफल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिरव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और /या

लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) said Act या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अम्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, धारा 269-घ of the said Act के अनुसरण में, said Act की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) Shri Putta Venkatarao,
M/s Maruthi Arts Pakers, Vizianagaram.

- (2) 1. Shri Pentapati Radhakrishnamurthy,
  - 2. Shri K. Ramakrishna and
  - Shri P. Chinna Venkanna
     C/o M/s Kishore Art Packers & Printers,
     Vizlanagaram.

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ ।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पळीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अबें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

Viskhapatnam District—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam Panchayat—Vantitadi Village—Plot No. R-11—Industrial Estate—Vizianagaram—Shed and site.

#### BOUNDARIES

East: Road prepared by A.P.E. Estate.

South: Kamal Industries.
West: G.A.R. Re-rolling mill.
North: Gram Panchayat Road.

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 7-3-1975 ग्रजैन रेंज, KAKINADA

(मन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (मिरीक्षण) भर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 10 मार्च 1975

निर्वेश सं० सी० ए०-5/जुलाई/74/प्रहमदनगर/181/74-75 यत: मुझे एच० एस० भीलख भायकर भिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सि॰ सं॰ क॰ 5296 है तथा जो ग्रहमदनगर में स्थिति है (भ्रोर इससे उपाबद भनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय महमदनगर में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 22-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल के प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) पन्द्रस भीर भन्तरिती (भन्तरितिमों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से श्वत मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कवित मही किया गया ₹ :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के सन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए

अतः, अब उन्त अधिनियम की बारा 269-य के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्री गोपालकृष्ण मुतस्थामी घ्राय्यर श्राशा टाकीज के नजबीक, ग्रहमदनगर ।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री गणपत विठोबा खाकाल
  - (2) रामभाऊ विठोबा खाकाल
  - (3) श्री उत्तम विठोबा खाकाल
  - (4) श्री सुभाष दत्तात्रय खाकाल, श्रज्ञाना पालनकर्ती लक्ष्मीबाई दत्तात्रय खाकाल सब का पता:--ग्राणा टॉकीज के नजदीक, श्रहमदनगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-स में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस सक्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फी होल्ड दो इमले की बिल्डिंग म्यू० ऋ० 3982 सि० स० ऋ० 5296 वार्ड ऋ० 9 भ्रामा टाकीज के नजदीक, भ्रहमदनगर क्षेत्रफल :—98.7 वर्ग मीटर्स ।

> एच० एस० श्रीलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 10-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर घिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के धाष्ट्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजीन रेंज, मदास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1975

निदेश सं० 16/1(iii)/5ए०/74-75—यतः, मुझे, के० की० राजन,

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका, उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 172, सीं० बोडीनायकम्पट्टी गाँव, सेलम हैं जो सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जूलाई 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रौर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयित्:-

- (1) श्री कें बलराम चेट्टीयार भ्रीर भ्रादि बी० 17 कम्बर स्ट्रीट, सेलम 5 (भ्रन्तरक)
- (2) पी० एम० एम० श्रवरफ श्रवि, पी० एम० एम० जफर श्रवि सेलम-9 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्जन के** लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, ग्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण :— इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रौर पदों का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सेलम बोडीनायकस्पट्टी गाँव डोर सं 172 सी में 9646 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)। (ग्राधा भाग)।

> के० वी० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

तारीखा: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एम०एस०--

मायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ख (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 10 मार्च 1975

ग्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 बी० राजन, का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-वा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 172 सी०, बोडीनायकम्पट्टी गांव, सेलम है, जो सेलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधव ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सेलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से किं नहीं किया गया है:--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रश्चिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के धर्धान निम्नलिखित व्यक्तिवों धर्वातु:—

- 1. श्री के० बलराम चेटीयाट ग्रौर ग्राही बी-17 कम्बर स्ट्रीट, सेलम। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री पी० एम० एम० मोहमद बाषा श्रौर पी० एम० एम० मुमारक, सेलम-१।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप. :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सेलम, बोडीनायकम्पट्टी गाँव डोर सं० 172 सी में 9646 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)। (भाधा भाग)।

के० ती० राजन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक: 10-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भायकर स्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1975

निदेश सं० 9/5/13/74-75--यतः, म्झे, के० वी०

राजन,
ग्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)
की द्यारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं 18 ए० भौर 18 बी०, भ्रादीयप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (भौर इससे उपाबक्क श्रनुसूचि में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सौकारपेट, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसो श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भत: श्रव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उन्त भिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

- (1) श्री मदनलाल शर्मा, 18 ए० ग्रौर 18 बी० ग्रादीयप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास (ग्रन्तरक)
- (2) दी॰ मद्रास किराना मेरचन्टस श्रसोसियेषन, 210, गोविन्डप्प नायकन स्ट्रीट, मद्रास। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रमुक्त गड्वों और पदों का, जो आयकर प्रिक्षित्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-1 ब्रादीयप्प नायकन स्ट्रीट डोर सं० 18 ए० ब्रौर 18 बी० में 1647 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के० बी० राजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास ।

दिनांक: 10-3-1975

# प्रस्प आई०टी०एन०एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I, मद्रास

मद्रास, दिनाक 10 मार्च, 1975

निदेश सं० X/1(1)/12/74-75--यत:, मुझे, के० वी० राजन, भायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 6, सौत पण्डियन श्रिकल पचरिसीकार पहला गलि, मदूर है, जो मदूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता <mark>ग्रधिकारी के कार्यालय, म**दूरै** में भारतीय रजिस्ट्रीकरण</mark> म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन 16) जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए की गई है और मुझे यह विभ्वास और मुझे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; अत:, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधि-नियम, की धारा 268-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः---

- (1) श्री मती शान्ता देवी, सौत मासी स्ट्रीट, मदूरै (ध्रन्तरक)
- (2) श्री दनसेकरन और कृषणमूर्ति 6, सौत पण्डियन श्रिकल पचरिसिकार पहला गिल, मदूर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मदुरै, सौत पाण्डियन प्रकिल पचरिसिकार पहला गली, डोर र्स० 6 में 1758 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के**० थी०** राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज I मद्रास ।

दिनांक: 10-3-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-I, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 10 मार्च, 1975

निदेश सं० XVI/12/4/74-75—-यतः, मुझे, के० बी० राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से मधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं $\circ$  290/1 श्रौर 295/5, नामक्कल है, जो नामक्कल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 16 जुलाई, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विवेख के प्रनृसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)ग्रीर भ्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त मन्तरण लिखित

(क्ष) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; भ्रौर/या

में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :---

(क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए जा, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रत: भ्रब, घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्यि:- (1) श्री सिवषणमुग सुन्डरम, फोट नामक्कल,

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० नटराजन ग्रौर ग्रादि, नामनकल (ग्रन्सरिती)

को यह सूजमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्धारा कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति संबंध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

नामक्कल टौन में एस० सं० 290/1 ग्रीर 295/5 में 1.67 एकर का भूमि (मकान के साथ)।

के० बी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, मद्रास ।

दिनांक: 10-3-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 मार्च 1975

निदेश सं० XIV/1(1)/15/74-75----यतः, मुझे, के० बी॰ राजन, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है xगौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 44/3 xगैर 45/1, इलाक सं० 19, डी० वार्ड, परीयएरी गांव, सेलम है, जो सेलम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सेलम मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के आधीन 16 जुलाई, 1974 पुर्वोक्त संपत्ति के उिचत वजार मुख्य से वुश्यमान प्रतिफल लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इम्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिभात ने अधिक है और अन्सरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क चित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निधित व्यक्तियों, अर्थीतः——
5—16GI/75

- (1) श्री एम० एस० हुसँन ग्रौर भ्रादि, सेलम (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एस० कृष्णसामि चेट्टीयार श्रौर आदि, मुंगपाडी स्ट्रीट, गुगै, सेलम-6 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिशबन्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो जकत अधिनियम,) के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

मेलम, पेरीय एरी गांव, डी० वार्ड, ब्लाक सं० 19, टी० एस० सं० 44/3 प्रौर 45/1 में  $28588\frac{1}{2}$  स्कृयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

दिनाक: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, मद्रास

मद्रास, दिनाक 10 मार्च 1975

निदेश ग० XXI/15/7/74-75—यत , महो के० जी० राजन, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिस इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' वहा गया है )

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सु 2, 3, 4 और 5, ब्राफीनस लैंस, केलूर है, जो वेलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, वेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 जुलाई.

1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नणिखित व्यक्तियो, अर्थात :—

- (1) श्री ए० एस० जानिकरामन श्रीर ए० एस० जन्द्रसेकरन, 117/1, नारायण पिल्लै स्ट्रीट, बगलर (अन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० राजरत्नम, 22/6, र्रीड्डयप्य **मुद्य**लि स्ट्रीट, कोमपेट, वेसूर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्मवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वेलूर, श्राफीसस लैंन, डोर म० 2, 3, 4 ग्रौर 5 म 1890 स्कुयर फीट का भूमि (सकान के साथ)।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्राय्वत (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-I, मद्रास ।

दिनाक: 10-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-I, मद्रास

मदास, दिनाक 7 मार्च 1975

निवेण सं० VIII/2/3/74-75—यन, मुझे. के० बी० राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् 'उम्त अधिनियम'कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यये से अधिक है और जिसकी म० एस० स० 2898, ग्रन्नांग्य पान्डीगपुरम गाँव है. जो नागर कोविल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्तां श्रिधकारी के कार्यालय, नागर कोविल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 जुलाई, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम. के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) कुमारी एलिसबेत श्रौर आदि ब्लाक राक एसटेट, अलगियपान्डीयपुरम गाँव (श्रन्तरक)
- (2) श्री के० वी० जाय ग्रौर पी० पी० फिलिपोस, काट्टयम (ग्रन्तरिती)

को य**ह सूच**ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वर्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

कन्याकुमारी जिल्ला तोवर्लै तालुक, ग्रलगियपान्डीयपुरम गांव एस० सं० 2898/1 में 40 एकर **भू**मि।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज-I. मद्रास ।

दिनांक: 7-3-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायवत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, । मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 मार्च, 1975

निदेश सं० IX/3/60/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करनेका कारण है कि मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000-रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी मं० 61, रामसामि स्ट्रीट, मद्राय-1 है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय. मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 **का** 16) के प्रधीन 16 जुलाई, 1974 की को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम क दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीष्ट्रत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोद्यतः सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे, दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त**रितियों**) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छियाने में सुविधा के लिए;

अतः अभ, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की इपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन ध्यक्तियों अग्र त --

- (1) श्री ए० नारयण ऊडुपा, 61, रामसामि स्ट्रोट, मद्रास-1 (भ्रन्तरक)
- (2) श्री णबान्ड्री ग्रबदुल हमिद ग्रौर ग्रादि, 195, ग्रयंप्प नायक्न स्ट्रीट, मद्रास-1 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किमी व्यक्ति बारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मद्रास-1, रामसामि स्ट्रीट डोर स० 61 में 1840 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> कै० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, माद्रास ।

दिनांक: 7-3-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एम०---

श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुखना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, I मद्राम

मद्रास, दिनाय 6 मार्च, 1975

निर्देश स० 9/3/62/74-75—यत, मुझे, के० वी० राजन, ग्रधिनियम, (1961 श्रायकर 1961 (जिसे इसमे इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) श्री धारा 269-ख क श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,€00/- रुपये से श्र**धि**क है ग्रौर जिसकी स० 215, मिन्ट स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मद्राम में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 16 जुलाई, 1974 उचित बाजार मुल्य पूर्वोक्त सम्पत्ति के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करनेका यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह नि धन्तरक (भन्तरको) और भन्तरिती (भ्रन्नरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है .--

- (क) प्रन्तरण में हुई किसी धाय की बाबत उक्त धांधनियम, के प्रधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) एसी निर्सा श्राय था निर्मा धन या श्रन्य आस्तियो की, जिन्हें भारतीय श्राय-तर श्रिधिनियम, 1922(1922 का 11) या उनन श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रन्ट नहीं 'क्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में मुविधा के लिए

अत. अब उक्त श्रधिनियम धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्निलिशित थिनिश्यो, ग्रथित:—-

- (1) श्रीमती दुरैंक्कन्नम्माल, 215, मिन्ट स्ट्रीट, मब्रास-1 (श्रन्तरक)
- (2) कुमारी पी० एम० लिल्ली भाय श्रीर पी० एम० वानुमती, 35, नम्बुलियर स्ट्रीट, मध्रास (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस म्चना के राजधल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद म समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल मे प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त श्रिवियम, के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मद्रास-1 निन्ट स्ट्रीट डोर स० 215 में एक ग्रीन्ड ग्रीर 192 स्कुयर फीट का भूमि (मकान के साथ)।

> के० वी० राजन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), यर्जन रेज-I, मद्रास ।

दिनाक 6-3-1975

प्रारूप भ्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 169-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त निरीक्षण

ग्रजंन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाक 12 मार्च, 1975 निदेश सं० 1237 / 74-75—यत. मुझे, ए० रागवेन्द्र राव, श्रायकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यर विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/बरु० में श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं०

35, जी॰ एस॰ कालिन, सेनटोफ रोड, मद्रास-18 है जो सेनटोफ रोड, मद्रास-18 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं). रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, मैलापूर, मद्रास में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 1-7-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से थित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उन्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रत्न उक्त श्रधितियम की धारा 269-ग के श्रनसरण में, उक्त श्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् .—-

- (1) श्रीमती डी० एस० नारयणस्मा (ग्रन्तर
- (2) श्री एस० रामस्वामी (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सबभ में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी; व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसो व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्राकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी श्रन्य ब्यक्ति ब्रारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :--इसमे प्रयक्त भव्दो ग्रौप पदो का, जो उक्त प्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनस्ची

मद्रास-18, मेनटोफ रोष्ठ, जी० एस० कालिन, डोर सं० 35 में दो ग्रउण्ड और 485 स्कृयर फीट का भूमि (मकान के साथ) (भ्रार० एस० स० 3847/12, 16, 17, 18 श्रीर 21 का भाग)।

ए० रागवेन्द्र **राव,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

दिनांक: 12-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०———— आयक्पर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत भरतार

नायनिय, गडायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज-1, स्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 28 फरवरी, 1975

निदेश स० ए० मी० क्यु० 23-1-436(145)/1-1/ 74-75--यन मुझे जे० कथ्रिया, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पण्चात 'उक्त ग्रधि-नियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रघीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- २० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी **स**० सर्वे न० 370-1, फायन र प्लाट न० 82 टी० पी० स्कीम न० 12, है, तथा जो ग्रहमदाबाद में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ब्रहमदाबाद में भारतीय राजस्द्रीकरण ब्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त शम्यत्ति का उचित बाजार मन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह पतिणत से अ<mark>धिक है और यह कि अन्तर</mark>क (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बाच रंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप मे विथत नही किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन बर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारताय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 पा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गां। या किया जाना चाहिए था, में सुविधा का लिए सुपर बनाना ,

प्रत , ग्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिया श्रथीत् —

- (1) श्री हरिशचन्द्र शकरलाल पचाल, शकर निवास विल्डीग, घीकाटा, ग्रहमदाबाद-1 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुक्कत को आप्रेटिव इन्डस्ट्रियल एस्टेट लिमिटड, मारफत श्रीम्रजय कुमार रामचन्द शाह, 636, पांचीदास मुहल्ला, ग्रमार वा चकला, ग्रहमदावाद-16। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण '-- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्स्ची

10156 वर्ग गए भूमि का पाचवा भाग, जिसका सर्वे नः 370-1, फायनल प्लाट नः 82 है श्रीर जो टीः पीः स्कीम नः 12, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे ० कथ्रिया सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज , श्रहमदाबाद ।

नारीख: 28-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 28 फरवरी, 1975 निदेश स० ए० सी० क्यु० 23-1-437(146)/1-1/ 74-75--यत: मुझे जे० कथूरिया, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है श्रोर जिसकी स० सर्वेन० 370-1, फायनल 'लाट न० 82, टी० पी० स्कीम न० 12 है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 20-7-1974 **पूर्वोक्त** सम्पत्ति के उचित वाजार कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान ब्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

- (क) अन्तरण स हुइ दिसं धाय की दादत उक्त अधिनयम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिचाने में सुविधा के लिए,

ग्रत श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रन्-मरण में में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो श्रथीत्:—

- (1) श्री दीलीप कुमार शकरलाल पंचाल शंकर निवास बिल्डींग, घीकाटा, श्रहमदाबाद-। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुकृत को ग्राप्नेटिव इन्डस्ट्रियल एस्टेट लिमिटेड, मारफत, श्री ग्रजय कुमार रायचद णाह, 636, पाचीदास मुहल्ला, ग्रमार वा चकला, ग्रहमदावाद-16 (ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वी</mark>क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

10156 वर्ग गज भूमि का पाचवां भाग जिसका सर्वे न॰ 370-1, फायनल प्लाट न॰ 82, है और जो टी॰ पी॰ स्कीम न॰ 12, अहमदाबाद में स्थित है।

> जे ० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I, स्रहमदाबाद ।

तारीख: 28-2-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०

# भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० ए० सी० क्यु० 23-1-438(147)/1-1/ 74-75 यत: मुझे जे० कथुरिया स्रायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पम्चात् उक्त ब्रिध-नियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 370-1, फायनल प्लाट नं० 82, टी० पी० स्कीम नं० 12, है, तथा जो **ग्रहमदाबा**द में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद्ध ग्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-7-1974 सम्पत्ति के उचित दश्यमान प्रतिफल मुल्य से कम के भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सविधा के लिए; और/या ग्रन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने लिए:—

ग्रतः जव उक्त ग्रिधिनियमकी धारा 269-ग के ग्रनुसरण में सं उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपयार (। के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीन —— (1) श्री विक्रमभाई शंकरलाल पंचाल शंकर निवास विन्डोंग, धीकाटा, श्रहमदावाद-1 (श्रन्तरक)

(2) श्री मुक़त को ग्राप्रटिव इण्डस्ट्रियल एस्टेट लिमिटेड, मारफत श्री, ग्रजय कुमार रायचंद शाह, 636, पांचीदास मुहल्ला, ग्रमारवा चकला, ग्रहमदाबाद-16 (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

10156 वर्ग गज भूमि का पाचवां भाग जिसका सर्वे नं० 370-1. फायनल प्लाट नं० 82 है और जो टी० पी० स्कीम नं० 12. अहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया मक्षम प्राधिकारी महाययः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1. ग्रहमदाबाट

तारीख: 35-2-197-

मोद्रग

6 16CrI 74

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायवर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० ए० सी० क्यु० 23-1-439(148)/1-1/74-75 — यतः मुझे जे० कथूरिया , श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पम्चात उक्त अधिनियम कहा गया ) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको, ह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्हा उचित वाजार मूल्य 25.000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सर्वे न० 370-1, फयनल ज्लाट नं० 82, टी० पी० स्कीम न० 12, है तथा जो श्रहमदाबाद मे स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वाम वरने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृण्यमान प्रतिपाल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक हे और अन्तरित (अन्तरितयां) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्नविक रूप से कथित नहीं विया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई विसा आय की बाबत, आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एविधा के लिए;

अतः जब उक्त श्रीधिनियम की बारा 269-म के श्रमुसरण में मैं, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो श्रर्थात् ---

- (।) श्री डाहीगौरी शंकरलाल पंचाल, शंकर निवास विल्डीग, धीकाटा, श्रहमदावाद-। (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुक्रत को ग्राप्नेटिव इन्डिंग्ट्रियल एस्टेट. लिमिटेड मारफत श्री श्रजय कुमार रायचंद शाह, 636, पाचीदास मुहल्ला, ग्रमार वा चकला, ग्रहमदाबाद-16 (श्रग्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख़ में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

10156 वर्ग गज भूमि का पाचवाँ भाग जिसका सर्वे न० 370-1 फायनल प्लाट न० 82 है और जो टी०पी० स्कीम न० 12, श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे ० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी महायत्र ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

नारीख . 28-2-1975

प्ररूप आ**ई० टी० एन० एस०-**

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुष्ट (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज, -I अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, तारीख 28 फरवरी, 1975

निदेश नं० ए० सी० क्यु० 23-1-440(149)/1-1/74-75-यतः मुझे जे० कथूरिया, ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनयम कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० मे ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 370-1, फायनल क्लाट नं० 82, टी० पी० स्कीम नं० 12. है, तथा जो ग्रह्मदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 20-7-1974 को

पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था में सुविधा के लिये

ग्रतः जब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियो ग्रिथीत्:—

- (1) श्री सुनील कुमार शंकरलाल श्रपने **श्रिभभावक** श्रीमती डाहीगौरी शंकरलाल पचाल ढारा, शंकर निवास बिल्डीग, धीकाटा, श्रहमदाबाद-1 (श्रन्तरक)
- (2) श्री मुक्कत को ग्राप्नेटिव इन्डरिट्रयल, एस्टेट लिमिटेड, मारफत श्री ग्रजयकुमार रायचंद शाह, 636, पाचीदास मुहल्ला, ग्रसारवा चंकला, ग्रहमदाबाद-16 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

10156 वर्ग गज भूमि का पाचवां भाग जिसका सर्वे न० 370-1. फायनल प्लाट नं० 82, है ग्रीर जो टी० पी० स्कीम नं० 12. ग्रहमदाबाट में स्थित है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीखा: 28-2-1975

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) क अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, काकीनाडा

Kakinada, the 24th February 1975

J No. (230)/74-75. Acq File No. 155.---यतः, मुझे, K. Subba Rao श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर उचित बाजार मृल्य 25,000/- ह० से अधिक जिमकी सं० 26-3 19 Gandhipuram है जो Rajahmundry में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry मे रजिस्दीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक 15-1-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिपल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-**गत** अधिय हे और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियो) क बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभनिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में बर्थित नहीं किया गरा है ---

- (र) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत said Act के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब, धारा 269-ग of the Said Act का ुह्हा मैं, said Act की धारा 26६-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलखित व्यक्तियों. अर्थात ——

- (1) Sheikh Meera Hoideen Saheb S/o Late Jamal Saheb, Main Rd. Nidadavole. (श्रन्तरक)
- (2) Smt. Ruhunnisa Saheba, W/o Late Md. Hussain Sheriff.

(अन्ति रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप.

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से सिंगिय वाकित द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाणन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण - इसमे प्रयुक्त णब्दो और पदो का जो said Act के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

1 ast Godavari Dt—Rajahmundry Stur- Stration—Raahmundry Town—Gandhinagar Panchayat—Door No. 21-81—Building etc

BOUNDARIES

Last: Raja Veedhi 79 ft.

South-Raja Veedhi 70 tt.

West: Compound wall of Dr. P. Rama Murthy 69 ft. North: Compound Wall of R Appalaraju 70 ft.

K. SUBBA RAO, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेज, Kakinada.

दिनाक: 24 फरवरी 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का **43)** की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

# भारत परकार

क सरर सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैब्राबाद

हैद्राबाद, दिनाक 27 फरवरी 1975

निर्देश स० श्राप्रकार्गिक-115/74-75——यत मुझे, कें ० एस० वेकटरामन आयकर अिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'खक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० में अधिक है, ोेंग जिसकी स० 6-2-939/किरताबाद है, जो हैदरावाद में स्थित है (और इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में स्थार पूर्ण हप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्याख्य, हैदरावाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 27-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयका बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या अन्य या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, आयक्षर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नांकेखित व्यक्तियों अर्थातः---

- ा श्रीमती फरना फिशर पत्नी स्वर्गीय रिजडिफ अर में 6-2-940 राज भवन रोड हैंदराबाद (श्रन्तरक्र)
- 2. (1) श्रफजल वी "श्रलमास गिरी वी" पती का नाम स्वर्गीय महमद हुमैन स० 286/ए० राम गोपाल पेट (2) हैमद सलीम (3) श्रीमती गोमना वेगम सिकन्दराबाद दोनो मैं० 1-के पालक वे 1 के हैं । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तार्माल में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियो में में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सपत्ति न० 6-2-939/1 राज भवन रोड कँरताबाद. हैदराबाद

उत्तर . न० 6-2-939 दक्षिण : न० 6-2-940 पुर्व : राघ भवन रोड

पश्चिम : न० 6-2-638 महमद मलीमुल्ला का है। के० एम० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी

नारीख 27-2-75 महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर: भ्रजन रेंज, हैदराबाद प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-॥, महास

मद्रास, दिनाक 26 फरवरी 1975

निदेश स० 2255 74-75--यत मुझे याङ (1961 का श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से ग्रधिक श्रौर जिसकी स० डोर स० 22/338, राजा स्ट्रीट, कोयस्वत्र म स्थित है (ग्रीर इससे उराबद्ध ग्रनुसूची ग्रीन पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम (1908का 16) के प्रधीन, तारीख 15-7-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य संकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बावत, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रौर/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

श्रतः भन्न उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मै उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखिन व्यक्तियो, श्रथीत:—

(1) श्री एन० वंकटाचलम ग्रौर एन० ग्रह्ना-चलम, कोयम्बतूर (ग्रन्तरक) (2) श्रीमती कालियम्माल श्रौर श्री बालसुव्रमनियन (मजर) (श्रीमती कालियम्माल के द्वारा) मद्रास (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रजेन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता ह ।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध, या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया है।

# अनुसूची

कोयम्बतूर, राजा स्ट्रीट डोर स० 22/338 में 13-19 सेट का भूमि (मकान के साथ) (टी० एस० स० 6/967)।

ए० रागवेन्द्र <mark>राव</mark> सक्षम प्राधिकारी)

तारीख: 26-2-1975 सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** मोहर: ग्राजन रेज-II, **मद्रा**स प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धा**रा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरवार

कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज महास

मद्रास दिनाक 26 फरवरी, 1975

निवेश स० 2241/74-75—पनः मुझे, ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू० से अधिक है और जिसकी सं० 198, 199 वेरैटी, जो हाल राड में म्थित है (और इसमें उपाब द श्रनुसूची म और पूर्ण हप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एम० श्रार०-III, कोयम्बतूर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 श्रा 16) के अधीन, तारीख 11-7-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रो, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में क्षमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; भौर/या अन्य/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्थ आस्तियो को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के सुविधा के लिए सुकर बनाना।

ग्रतः ग्रंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रन्सरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :---

- (1) श्री एन० बाँम्मन घाँडर, बी० श्रीनिवासन , ग्रीर बी० कुमार कोयम्बतर (ग्रन्तरक)
  - (2) श्रीमती सरस्वती बालू यीरोड (श्रन्तरिती)

को य**ह सूचना** जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवा<mark>हियां</mark> शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में क्ये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त णब्दो और पदो का, जो श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कायम्बतूर, वेरेटी हाल रोड डोर म० 198 थार 199 में भूमि और मकान (टी०एस० स० 197 198, 199) प्रेर टी०एस० स० 2/197 में हर्भास थार सकान।

ए० रागवेन्द्र राव सक्षम प्राधिकारी वारीख 26-2-75 सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मोहर ग्राजन रेज-II, मद्रास । प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, धारवाड

धारत्राड, दिनाक 25 फरवरी 1975

निदेश म० 70/74-75/ए०मी०क्यू०--यत मुझे आर० पार्थसारथी श्रधिनियम, ग्रायकर (1961का 1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) ग्रधीन 269-घ सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-ह० से ऋधिक है श्रार जिसकी स० ग्रार एस० न० 1382/12 है, जो क्लब रोड, वेलगाव में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बेल-गाव डाक्युमट न० 2202/74-75 के अन्तर्गत भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19 31-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे दुश्यमान प्रतिफल की गई है ग्रौर मुझे ग्रन्तरित यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रनिशत से ग्रधिक है ग्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथ पाया गरा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन मे वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए , और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयमण अधिनयम, 1922 (1922 वा, 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाण प्रकट नहीं किया गया या विया जाना चाहिए या खिलाने में सविधा वा एए,

प्र प्रव, उक्त अधिनियम की आरा 259-ग के ग्रनसरा म मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ रा उपक्षरा (1) व ग्रजीन निम्नाणिकत व्यक्तियो ग्रथित –

- (1) श्रीमती मैंमुन्नीसा उर्फ हसीना, वाइफ ग्राफ कासीम-साहेब धारवाडकर लिगराज जालेज रोड, बेलगाव, (ग्रन्तरक)
- 2 शमीम रसूल मुजावर क्लव रोड, बेलगाव (अन्तिरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति वे अर्जन वे सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की नामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहरताक्षरी के पाम लिखित में विष्ण जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदो का, जो ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ग्रार०एम० न० 1382/12 में  $80' \times 155'$  क्षेत्र का खुत्ला प्लाट न० 6, जा क्लब रोड बेलगाव में स्थित है ग्रीर जिसकी सीमाए --

पूरब में — मुजावर ब्रदम के प्लाट न 5 जो वही सर्वे० न० में हे पश्चिम में — मुजावर ब्रदम के प्लाट न० 7 जो वहीं सर्वे नवर में ह दक्षिण में — श्री गानभाग जी के प्लाट न० 12 जो भगी राट के स्पमन द उत्तर में — क्लार राट के गाव

नाः ए । 25 2 197

ग्रार० पार्थमारथी सक्षम प्राधिकारी सहाप*र* ग्रायक्**त (निरीक्षण** 

प्रजन रेज धारवा<sup>न</sup>

ਸਾਵਾ

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रिघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 26 फरवरी 1975

निदेश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यु०/11/74-75---यतः मुझे, सी० बी० गुप्ते ग्रधिनियम, 1961 (1961 श्रायक'र का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-६० से श्रधिक उचित बाजार मृल्य जिसकी सं० 22/71 है जो पंजाबी बाग, दिल्ली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली मे भारतीय रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 3-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क श्वित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने के लिए सुकर बनाना और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने की सुविधा के लिए,

श्रत : श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, श्रर्थात् :— 7—16G1/75

- 1. श्रीमती विमल मारवाह, पत्नी डा० देवराज मारवाह, निवासी 46/34, एस० एन० बैनर्जी रोड, कलकत्ता, लेकिन श्रव 87, थिएटर रोड, कलकत्ता-7 (श्रन्तरक)
- 2. मैं ० दिवाकर इन्बेस्टमट लि० 1/5-बी० भ्रासफ भ्रली रोड़, नई दिल्ली-11001 (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री योगेश कुमार बंसल, सुपुत्र श्री कंवर लाल बंसल, 24/75, पंजाबी बाग, दिल्ली। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के के संबन्ध में कोई भी आदेश:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो जक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही श्रर्थ होगा, जो श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट जिसका नं० 22, रोड़ नं० 71, तथा इसका क्षेत्रफल 1330 वर्ग गज है जोकि पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है। इसकी सीमाएं इस प्रकार है।

उत्तर: सर्विस लेन दक्षिण: सड़क नं० 71 पूर्व: सड़क नं० 77 पश्चिम: सडक नं० 20

> सी० वी० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 26-2-75

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्णन रेंज-II

कार्यालय ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, तारीख 30-1-1975

निदेश नं 180/ए० सी वस्यू 23-301/13-7/74-75 मतः मुझे पी० एन० मिलल द्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा मया दै) 2.69-खा के अधीन सक्षम प्रधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और न्नौर जिसी की सं० सर्वे नं० 299 न्नौर 300<del>- खु</del>ली जमीन 20549 वर्ग गज है तथा जो श्रहमदाबाद जि॰ खोडा में स्थित है (ग्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यानय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारी**य** 31-7-74 पूर्वो**क्**ल सम्पति के उचित बाजार मृत्य को प्रतिफन सिए दुश्यमान स्रे कम के अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः जब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— श्रीमती बाई चंचल वाडी लाल सी० मोदी की विश्ववा रमेश्व चन्द्र बाडी लाल अहमदाबाध । (ग्रन्तरक)

बापुकाका को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लि० की ग्रोर से उसके चेयरमैन बंसी लाल रती लाल परीख सेकेट्री; ग्रर्रावद कुमार चन्द्रकान्त शाह, अहमदाबाद (श्रन्तरिती)

श्री भ्रजीत कुमार एम० शाह (कन्फरर्मिग पार्टी)
2. शाह कार्पेरिशन की श्रोर से उसके सहियारी

(1) इन्द्र बदन मंगल दास शाह (2) रमेश चन्द्र सी० शाह (3) जगमोहनदास श्रार० परीख (4) किशोर कुमार जे० शाह । (कन्फर्रामग पार्टी) (बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अशोह्स्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति झारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीम जिसका कुल माप 20549 वर्ग गज है और जो सर्वे नं० 299 और 300 महमदाबाद, जि० खेड़ा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता धिकारी, अहमदाबाद को 31-7-1974 को किये गये रजिस्ट्रीक्टत विलेखों नं० 1342, 1343 और 1344 में प्रदिशत है।

पी० एन० मिसल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 श्रहमदाबाद ।

तारीखा: 30-1-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---भायकर अधित्रियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर धायुक्त श्चर्जन रेंज-II कार्यालय श्रहमदाबाद अहमदाबाद, तारीख 30 जनवरी 1975

निदेश स० 181/ए० सी० क्यु० 23-342/19-7/74-7 श्रतः मुझे पी० एन० मित्तल आयक'र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से

अधिक है भीर जिसकी

सं सर्वे नं 2 ग्रीर 4, भ्यु बार्ड नं 13, नोंध नं । 138-139 पैकी प्लोट नं० 13 है तथा जो ऋभवा ता० चौरासी, जि॰ सूरत में स्थित है (श्रौर इसके उपाबद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-7-74

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उंचित बाजार मृल्य से के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफन्न से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के,लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में अपनी अपरने या उससे अपने में सुविधा के लिए; भ्रन्य/या अन्य/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन *भ*र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा केलिए।

द्यतः जब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुकरण में में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

म० सरकार एण्डप्एसोसीएटस सुरत की भ्रोर से उसके सहीयारीः

(1) महेन्द्र छगनलाल जबेरी (2) अवनी बेन अविनाश मजमूदार (3) रमणीक लाल मूल चन्द्र जबेरी (4) नबीन चन्द्र छगन लाल जवेरी (5) साकर चन्द्र छगन लाल जवेरी श्रपने कुल मुखतार महेन्द्र सी० जबेरी द्वारा

C/o एम॰ जे॰ एल्जीनीयर्स एण्ड बिलडर्स, 11/208, दूसरी मंजिल, भगातखाव, सूरत (भ्रन्तरक)

श्री बिरछी चन्द जी भेरुदामजी छाजेद बारलाजी रोड, (भ्रन्तरिती) सूरत ।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील में 30 विमक्षी भवधिजो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिद्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताकारी के पास लिखित में फिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

ग्रज्ञस संपत्ति सर्वे नं० 2 भीर 4, म्यु० वार्ड नें० 13, नोंध नं 138-139 पैकी प्लोट नं 13, टी पी एस० नं० 5, जिसका कुल माप 937 सवर्ग गज है भीर जो भ्रथना ता० बोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्री-कर्ता मधिकारी सूरत के जुलाई 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2718 मे प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IIग्रहमदाबाद ।

तारीख: 30-1-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद तारीख 30-1-1975

निदेश सं० 182/ए० सी० क्यु० 23-263/19-7/74-75 **ग्र**तः मुझे पी० एन० मित्तल (1961 ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 2 नोंधनं० 1938 पैकी है तथा जो संग्रामपुरा सूरत में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में अप्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 4*~7-7*4 उचित बाजार सम्पत्ति पूर्वोक्त मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या अन्य/या

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः,जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-गूकी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री मोहनलाल शांतीलाल
- 2. मनसुखलाल शांतीलाल नवापुरा, कर्वा रोड, सूरत ।
- 3. धनसुखलाल चन्द्रलाल
- दीरा लाल चन्दुलाल चका बाला स्ट्रीट, वाडी फालिया सूरत।
   (अन्तरक)

मैं॰ पटेल बर्द्स एस्टेट एजन्सी, हीरा मोदी स्ट्रीट, संग्रामपुरा सूरत की ग्रोर से उसके सहियारी :

चंपक लाल गिरधरलाल, पटेल। (2) इश्वरलाल गिरधरलाल पटेल। (3) नटवर लाल गिरधरलाल पटेल (4) कान्तीलाल गिरधरलाल पटेल। (5) चम्पाबेन गिरधर लाल पटेल। (अन्तरिती)

विस्को लेण्ड कार्पोरेशन के सहियारी :

(1) बिमला बेन नानुभाई देसाई । (2) यशवंतलाल चिमन लाल । (3) ताराबेन रतिलाल । (4) चम्पकलाल चुनीलाल ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताझरी जानता है कि वह सम्पती में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूखी

श्रचल सम्पति जो नोंध नं∘ 1938 पैकी म्यु० वार्ड नं∘ 2, संग्रामपुरा, सूरत में स्थित है श्रौर जिसका क्षेत्रफल 748 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के जुलाई 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2454 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 30-1-75 श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद । मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ तारीख 19 फरवरी 1975

निदेश नं० 36-ग/म्रर्जन—म्रतः मुझे विश्वम्भरनाथ आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ईसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और भौर जिसकी सं०......है तथा जो उतरौला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय उतरौला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-7-1974

ताराख 17-7-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण
लिखत में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-घ उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थान:—

श्री तूर मोहम्मद व ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
श्री ग्रन्ला बान्दी । (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनु सूची

एक किता दुर्मजिला मकान जिसकी स्थित कस्बा उतरौला, जिला गोन्डा में है इसका केवल 1/5 भाग।

> विश्वम्भरनाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखः 19-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 19 फरवरी, 1975

निदेश सं० 46, एन० ग्रजर्न----ग्रतः मुझे विशम्भर नाम श्रिधिनियम 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/-रु॰ से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो उरौला, जि॰ गोंडा (ब्रौर इससे उपावद **बनु**सूची में क्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय उतरौला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के श्रधीन तारीख 17-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार से कम के दृश्यमान 👡 प्रतिफल के निए की गई है और मुझे यह विश्वास अन्तरित करने का कारण है कि अवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयफर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी धारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए या, क्रियाने में सुनिधा के लिए:

श्रतः श्रम उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रीवनियम, 1961 की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रीवन निम्मलिखित स्मिन्तियों, श्रवीत्:- 1. श्री नुरमुहम्मद ग्रौरश्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुहम्मद शहजाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जत के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्व ध्यक्ति द्वारा, अश्वोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय-20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **धनुसू**ची

एक किता दो मंजिला मकान का 1/5 भाग जोकि उतरौला जिला गोंडा में स्थित है।

> (विशम्भर नाथ) सक्षम श्रविकारी सहायक त्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

**तारीख: 19-2-75** 

मोहर 1

प्ररूप आई० टी० एन• एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सद्यायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 19 फरवरी, 1975

निदेश सं० 45-एम०/धर्जन—मतः मुझे विश्वस्थर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है और जिसकी सं० है, तथा जो उतरौला, जि० गोंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता द्धिकारी के कार्यालय उतरौला जिला गोंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 17-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से र्कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए रजिस्ट्री कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उद्यसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आज या किसी धन या अन्य जस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत:--- 1. नूर मृहम्मद श्रीर श्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. मुहम्मद शहवाज

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदहारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (आ) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास खिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक फिता दो मंजिला मकान जिस का 1/5 भाग खरीदा यजा है। जोकि उतरौला जिला गोंडा में स्थित है।

विशम्भर ना**ण** सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-2-75

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक 19 फरवरी, 1975

निदेश सं० 27-के० अजर्न — अत: मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० है तथा जो उतरौला, गोंडा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उतरौला, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-7-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के अमुसरण में, मैं आयकर उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1 श्री नूर मुहम्मद ग्रौर ग्रन्थ

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कैंसर नहां

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका 1/5 भाग बिका है। जोकि उतरौला जिला गोंडा में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम अधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, लखनऊ

तारीख: 19-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

खखनक दिनांक 19 फरवरी, 1975

निदेश सं० 51-एस०/ग्रर्जन-अतः मुझे विश्शम्भर नाथ अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) अधिकारी को, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∤- रुपएसे अधिक है भौर जिसकी सं० है तथा जो उतरौला, जिला गोंडा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय उतरौला में रिजस्ट्रीकरण **मधिनियम** 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-7-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके धुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिपास केपन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :----8---16 GI/75 1. श्री नूर मोहम्मद वग्रन्य

(ग्रन्तरक)

कुमारी सुरैय्या बेगम

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में छे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/5 भाग एक दुर्मजिला बिस्डिंग का जीकि कस्बा उतरोला, जिला, गोन्डा में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम घ्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19-2-75

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन भूचना

मारत मरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 22 फरवरी, 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 109/74-75—यत: मुझे के० एस० अधिनियम, आयकर (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 5-9-311 ग्रौर 312 है, जो गनफोडरी में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-7-1974 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिप्टीकत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या फिसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, भ्रायकर प्रधिगियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-व की उपक्षारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. धर्यात :—

- श्री किशन चन्द सिंगवी सुपुत्र श्री ए० ग्रमलोक चन्द सिंगवी तिलक रोड, के पास, हैदराबाद।
   (2) राकेश कुमार सिंगवी,
   तिलक रोड, हैदराबाद।
   (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कमला बाई, पत्नी मोहन लाल महता मकान नं० 4-1-165, हनुमान टेकडी, हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के प्रर्जन के सवन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर शिक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रयें होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

संपत्ति सं० एस०-9-311 और 5-9-312 गनफोन्डरी के पास हैदराबाद दी अंतस्त मकान कालीजगा श्रौर मलगियां, विस्तीर्ण 651.5 वर्ण यार्ड तूर्प संपत्ति ललित मंतीका,। पडमर संपत्ति ईमदाद श्रली का। दाहिना मीमी रास्ता। उत्तर : संपत्ति ईमदाद श्रली का।

> के० एस० वेंकटरामन सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख:** 22-2-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा

269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 फरवरी, 1975

निवेश सं० 36-ए/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विम्श्वमभर नाथ

श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त श्रधितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भीर जिसकी स० 440/12-1 है, तथा जो टी॰ जी॰ सिविल, लाइन्स में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से र्वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ मे रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिमांक 1-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से अन्म के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह जिण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या

लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

कथित नहीं किया गया है:—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तं अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--- 1. श्रीमती चन्द्रावती चौधरी

(भ्रन्तरक)

श्री मैसर्स प्रकणोदय सहकारी गृह निर्माण समिति (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील मे 30 दिन की अविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास तिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों, का जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क मे यथा परिभाषितै है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 8130 वर्गफुट है जो कि वी० जी० सिविल लाइन्स, लखनऊ में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

निनांक: 21-2-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०-

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रिधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक, 1 मार्च 1975

सं भार० ए० सी०/116/74-75--- मतः मुझे के० ऐस० वेंकटरामन, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं 1-8-522/27 है जो चिकड पलशी में स्थित है (भौर इससे उपाबद धनसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 9-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती(ग्रन्तरितियों)के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने म सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

श्री हरीकिश्न सुपुत स्वर्गीय लक्ष्मी चन्द एच० नं०
 21-6-774/1 चेलापुरा हैदराबाद

(भन्तरकः)

- (1) श्रीमती कन्तम थावम्मा, पती केसत्या" एच० नं० 16-3-688 चनचनलगूडा-हैद्राबाद'
- (2) श्रीमती कन्तम स्वरूप लक्ष्मी-पती- के॰ रामाराव 16-3-688-चेनचनलगूडा हैदराबाद

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपल्ल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनुसूची

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 1-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, लककत्ता-16

कलकता-16 दिनांक: 21 फरवरी: 1975

निदेश सं० ए० सी०-89/मार०-II/कल०/74-75-म्बतः मुझे, मार० बी० लालमोया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वास विज्ञार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० नं० 81 है, तथा जो पर्नश्री पल्ली रोड, नं० 4, वार्ड-3, बचाला जिला-24, परगना साउथ सबर्बन म्युनिसि-पैशिटी में स्थित है (ग्रीर इससे उपा बढ़ मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से धिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय रिजस्ट्रार ग्राफ एस्योरेंन्सेज, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 5-7-74 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ट्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिताने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पक्तियों, अर्थात्:— श्रीमती रेनू बागची,
 फ्लैट मं० एच-2, 67, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता

(मन्तरक)

 श्रीमती सुप्रमा बोस, 66, डाक्टर सुन्वरी मोहन एवेन्यू, कलकत्ता-14 ।

(भ्रन्तरिती)

 प्रथम सल्ला, श्री एस० एन० सिन्हा, द्वितीय तस्ला: श्री एस० मित्रा शेष फ्लैट: अन्तरक

> (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रीमती रेनू बागची, ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रह्मोहस्ताझरी जानता है कि वह सम्पत्ति म हिसबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सिए एतदद्वारा कार्यवाहियो शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना किसी तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्रथम व द्वितीय तल्ला, पर फ्लैट जो प्लाट नं० 81, पर्नश्री पल्ली रोड, नं० 4, वार्ड नं० 3, बेहला जिला-24 परगना (साउथ सर्वर्बन म्युनिसिपलिटी में) है।

> म्रार० बी० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), 54, रफीअहमद किटवई रोड, भर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16।

तारी**ख**: 21-2-75

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 21 फरवरी, 1975

निदेश स० ए० सि० 88/ग्रार०-II/कल०/74-75—ग्रतः मूझे, श्रार० बी० लालमोगा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने जा बारण है कि न्याधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रूपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 23ए/95 है तथा जो डायमन्ड हार्बार रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार श्राफ एस्युरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम (1908 का 16) के श्रधीन 5-7-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अञ्चान्यम, या धन-कर अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्री दिजेन्द्र लाल मजुमदार, एस-15, पनचशीली पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- ৯ (1) श्री परमेश्वरलाल सातादिया
  - (2) श्री देवी दत्त साता दियः
  - (3) श्री प्रभुदयाल सातादिया
  - (4) श्री बानोयारी लाल सातादिया
  - (5) सन्त कुमार सातादिया, श्रौर
  - (6) विमल कुमार सातादिया

(अन्तरिती)

3. मैंसर्स श्रीराम टीको

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न मे प्रकाणन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्यब्दीकरण:— इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

2 तला मकान नं० 23ए/65, डायमन्ड हारवार रोड, कलकत्ता-53, परिमाप: 11.75 कदा।

> ग्रार० पी० लाल मोया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

विनांक 21-2-75 मोहर: म्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०———— भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I. बस्बई

बम्बई, दिनांक 14 फरवरी, 1975

निदेश स० प्र० ई० 1/871-1/जुलाई/1974—अत: मुझे प्रार० जी० नेरूरकर, प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी मं० सी० एस० नं० 238 (ग्रंश) परेल, शिवडी डि० जीपराज रोड, संज्ञात है, जो गोलान हिल रोड, अब टोकरसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सव-रिजस्ट्रीर बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 18-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत उक्त म्रिधिनियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रत: ग्रब उवत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

1. दि एल्फीस्टन स्पिनिंग एण्ड विब्हींग मिल कं० लि० (ग्रन्तरक) 2. मैसर्स हंसराज प्रागजी श्रार० कं०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ध्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

वे सभी टुकड़े या टोका जमीन या भूमि का खण्ड साथ में पैतक गृह निवास और वहां पर बने इमले जो गोलनजी हिल रोड <mark>भ्रभी वो कर्सी</mark> जीवराज रोड के नाम से ज्ञात, में स्थित **है,** माप में 2905 वर्ग गज श्रर्थात् 2429. 90 वर्गमीटर या स्रासपास है जो 23776 वर्ग गज ग्रर्थात 19879 वर्गमीटर या ग्रामपास के एक बृहत् क्षेत्र को प्लाट नं० 'एच', बम्बई के नगर श्रौर टापू में है जिसका नया सर्वेक्षण नं० 4/2443, सी० श्रार० आर०नं० 6244, सर्वेक्षण नं० 5/2443, सी० श्रार० सी० नं० 6239, 1, 2, 3, 4, 5/2440, सी० ग्रार० ग्रार० नं० 6335, नया सर्वेक्षण नं० 1/2443, सी० आर० मार० नं० 6985 मौर नया सर्वेक्षण नं० 1 सी/2443, सी० ग्रार० ग्रार० नं०6200 ग्रौर जिसके संग्रहक का नं० 81/14258,14260, ए1/14258,14398,14424, 14699, ए/14320, जी०/14230,14234,14243, 14261, 14293, 13453, 14406, 14430, 14442 श्रीर 14916 ग्रौर कैंडेस्ट्रल सर्वेक्षण नं० 238, परेल शिव्डी खण्ड ग्रौर म्यू० भावों एवं करों के प्रसेसर एवं कलेक्टर द्वारा एफ० बार्ड नं० 1165(1-सी०1 डी०) और स्ट्रीट न 93-93ए-938-93 ए० सी० --93 ए०डी०एफ० वार्ड, नं० 1165 (1ई), स्ट्रीट नं०

---93 ए०डी०एफ० बार्ड, न० 1165 (1इ), स्ट्रीट न० 93ए०ई०टोकर्सी जीवराज रोड, के श्रंतर्गत निर्धारित है।

> श्रार० जी० नेरूरकर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 14 फरवरी, 1975

# प्ररूप आई० टी० एव० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I भ्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-252(132)/1-1/74-75—यतः मुझे जे० कथूरिया, प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है)

की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **डचित बाजार** मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **भौर जिसकी** सं० सब-प्लाट नं० ए, फायनल प्लाट न० 522, टी० पी० एस० नं० 3 है, तथा जो छदावाड, बहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबदा अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का का 18-7-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम. के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रन उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1)के ग्रधीन निम्नलिखित ग्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

- 1. गुजरात सिने एस्टर प्राइसीस प्राईवेट लिमिटेड, स्यूक्लाथ मारकेट, रायपुर दरवाजा के बाहर, शहमदाबाद। (प्रान्तरक)
- 2. एलिसक्रीज भार्षिण सेन्टर म्रानर्स एसोशिएशन, शाह्य कालोनी, शाहपुर दरवाजा के बाहर, महमदाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप, :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुतुची

खुली जमीन बाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 5033 वर्ग गज है ग्रीर जिसका फायनल प्लाट नं० 522, सब प्लाट नं० ए, टी०पी० एस०नं० 3 है ग्रीर जो छदावाड श्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 30-1-75

प्ररूप आई० टी० एन० एन० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 जनवरी, 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यु० 23-1-286(131)/1-1/74-75--यत: मुझे, जे० कयूरिया श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/- ४० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० शीट न० 55, सर्वे न० 4221-1-2 है तथा जो शाहपुर वार्ड-2, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-7-1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दण्यमान िलिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रनिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण ्पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य मे त्रकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण म हुई किमा आय का बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री माईकल भाई मणीलाल पटेल,
   20, स्वस्तिक सोसायटी, नवरग पुरा, ग्रहमदाबाद।
  - (2) श्री जयेन्द्र भाई भाई लाल भाई पटेल, 14, चैतन्य सोसायटी, नवरगपुरा, अहमदाबाद ।
  - (3) श्री जीतेन्द्र भाई लाल भाईपटेल, 23, हिन्दु कालानी, नवरगपुरा, श्रहमदाबाद ।
  - (4) श्री महेन्द्र भाई लाल भाई 14, चैतन्य मोमायटी, नवरंग सुरा, ग्रहमदाबाद ।
- 1(5) श्रीमती पुष्पा बेन भाई लाख भाई पटेल, 20, 9-16 GI/75

- स्वस्तिक सोमायटी, नवरगपुरा, श्रमहदाबाद ।
- (6) श्रीमती कलावती जीतेन्द्र पटेल, 23, हिन्दु कालोनी नवरगपुरा, श्रहमदाबाद ।
- (7) श्री रीटा जयेन्द्र पटेल, 14, चैतन्य सोसायटी, नवरग पुरा, श्रहमदाबाद।
- (8)श्रीमती कम नाबेन शम्भूदास पटेल, रामजी मदिर के निकट, चाणस्मा, जिला महेनाणा ।

(अन्तरक)

- 2 पुष्पक विकास महल तथा उसके सदस्यों के हैत तथा उनकी श्रीर से प्रयोजक .---
  - श्री बचुमाई श्री भोवनदास शाह, त्रानंद जी चाल, केलीको मिल, के सामने, जमालपुर, ग्रहमदाबाद।
  - (2) श्री रमणलाल मणीलाल भट्ट, हाथीखाना न**याया**स, स्वामी नारायण मदिर के निकट, कालुपुर, ग्रमहदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना क राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेगे।

स्वर्शकरण — टममे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वर्श अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

उस इमारत (जोकि 2000 8 वर्ग गज भूमि पर स्थित है) के तीसरी व जीशी मिजल को तामीर करने का ग्रिधकार, जिसका सर्वे न**्रै**4221-1-3 णीट, न० 52, 55, है, ग्रौर जो शाहपुर वार्ड-2 ग्रहमदाबाद में स्थित हे, ग्रौर जिसकी मीमाए निम्नलिखित है ——

पूर्व रास्ता पश्चिम रास्ता उत्तर . सर्वेन० 4,221-3 दक्षिण रास्ता

> जे० कथूरिया, मझम प्राधिकारी, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जनरेज-I,स्रहमदाबाद

तारी**ख**: 29-1-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सन्दार

कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 27 जनवरी, 1975

निदेश सं० 11-एच/प्रर्जन--अन मझे विश्वभ्भर नाय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात उक्त अधिनियम वहा गया है) की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीण जिसकी स० 74/18 है, तथा जो विजय नगर कालोनी, (नाका हिंडोला) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ह) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 26-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयक्तर अधि-नियम, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए , और/या
- (■) ऐसी किसी आय या निर्सा धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ज्यक्तियो, अर्थात —

1 चन्नीलाल छाबरा व प्रन्य

(अन्तर्भ)

🗈 श्री हरनाम (सह

(श्रम्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, **बही** अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया **है।** 

#### अनुसुची

एक किता मकान जिसका क्षेत्र फल 3700 वर्ग ५ट है, जोकि विजय नगर कालोनी, (नाका हिन्छोला), लखनऊ में स्थित है।

> विष्वम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी भहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

नारीख 27-1-1975 मोहर . प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ----

PMRI III—SEC 11

भायकर श्रिधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन स्कना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 जनवरी, 1975

निदेश सं० 48-एच०/प्रर्जन---- प्रतः मुझे विश्वमभर नाथ ग्रधिनियम, **भ्राय**कर 1961 (1961 (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है <mark>क्रौर जिसकी सं० सम्भू भवन है तथा जो घन्दौसी में</mark> स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्दीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय चन्दौसी मे भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित **दिनाक** 6-7-1974 मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए चन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिपल भा पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण लिखित में बास्तविक **क्य** से विधित नहीं विधा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री परमेश्वर सरन गुप्ता,

(अन्तरक)

2. श्रीमती भरोज देवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, ----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नहेंगे।

स्पब्दीकरण:---- रसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्र फल 600 वर्ग गज है जोकि सभल गेट, चन्दौसी जिला मुरादाबाद में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ सक्षम श्रिधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, लक्षनऊ

तारीखाः २७-१-१९७५

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रिधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाक 28 जनवरी, 1975

निदेश सं० 39-एम/ग्रर्जन---ग्रतः मुझे विश्वमभर नाथ म्रायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-व के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य श्रीप जिसकी सं० बी-99/सी है तथा जो महानगर में स्थित है (श्रीप इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 26-7-1974 को पूर्वाक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से भाधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पायागया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या श्राय-कर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः, श्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धन्करण में, मै उक्त श्रधिनियम 1961 (1961) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:- इन्द्र गेखर बोम

(भ्रन्तरक)

2. श्री महाबीर प्रकाश रस्तोगी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पन्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्र फल 13693 वर्ग फुट है, जोकि महानगर, लखनऊ में स्थित है।

> विश्वम्भर **नाथ** सक्षम ग्रधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारीखा: 28-1-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत मण्कार

महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज, लखनऊ

दिनाक 27 जनवरी, 1975

निदेश सं० 16-जी/प्रजंत--प्रत. मुझे ,विष्वभरनाथ अधिनियम (1961 आयकर 1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास गरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है, ग्रौर जिसकी सं० 169 है, तथा जो भगवानपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 9-7-1974 को पूर्वीक्त सम्पक्ति के उचित बाजार मस्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वीक्त भम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, श्रायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे स्विधा के लिए; और ग्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम,की धारा 269-थ की उपधारा (1)के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— डा० धीरेन्द्र नाथ चक्रवर्ती

(भ्रन्तरक)

2. श्री गरु एकबाल सिंह व श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमे प्रयुक्त गब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, वे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

एक किता मकान जमीन सहित जिसका क्षेत्रफल 13,166 वर्गपुट है, जोकि ग्राम भगवानपुर, जिला वाराणसी में स्थित है।

> विम्वम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, लखनऊ

नारीख: 27-1-1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

**शायकर अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) वी धारा 269-घ (३) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक स्रायकर, ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज. जयपुर

जयपर दिनाक: 29-1-75

निर्देश सं० जे-3/74(13)7/341---श्रत मुझे बी० पी० मिन्तल ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भुल्य 2 5, 0 0 0/- रूपये से ग्रीर जिसकी संप्लाट न० डी 200 है, जो जयपुर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 6, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (196! का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुविधा के लिये सकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग अनुसरण में, मै, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उक्त (1) के अधीन निम्निस्तिक व्यक्तियों, अर्थात:—

 श्री प्रेमनाथ ढण्डा पृत्र श्री सुखरामदास निवासी 12 राजभवन रोड, कोटा

(श्रन्तरक)

2 श्रीमती कक्सनी देवी पत्ति श्री सीताराम इंगायच निवासी 49 हाथीबाव मार्ग बनीपार्क जयपुर.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एनदद्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा.
- (ख) इस सूचना के राजग्रत म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यक्ष्टीकरण :--- धममे प्रयुक्त शब्दो और नदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अध्याय 20-क मे यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रन्सूची

पीपलेश्वर महादेव के पास कच्चा रोड. बनीपार्क स्कीम 'ई' जयपुर स्थित प्लाट न० डी 200 का भाग कुछ बनी हुई इमारत सहित प्लाट का कुल क्षेत्रफल 12017 वर्गगज

> (बी० पी० मित्तल) सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज. जयपुर

नारीखा : 29-1-75

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायक ग्रायकर, ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनोंक. 29-1-75

निर्देश सं० जे-3/74(13)8/345---यतः मुझे, त्री० पी० आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का (जिस इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी संप्लाट न० डी 200 है, जो जयपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण भ्रष्टिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 1974 जुलाई 6 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य प्रतिफल के दृश्यमान अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के कीच ऐसे अन्तरण

निखित में वास्तविक व्य से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई विसी आय की यावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उन्स अन्तर्ण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्री प्रेमनाथ ढंडा पुत्र श्री मुखरामदास निवासी 12. राजभवन रोड कोटा (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कमला देवी पत्ति श्री बन्सीधर डंगायच निवासी डी 49 हाथी बाबू मार्ग, बनीपार्क, जयपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टीकरण—इसमें प्रयुक्त मन्दीं और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

पीपलेख्वर महादेव के पास कच्चा बन्धा रोड बनीपार्क स्कीम 'ई' जयपुर स्थित प्लाट नं० डी 200 का भाग बनी हुई डमारत सहित प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1201.7 वर्गगज.

> वी० पी० मित्तल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 29-1-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनाक 29 जनवरी, 1975

निर्देश स० जे-3/74(13)11/348—-ग्रतः मुझे, बी० पी० मित्तल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के श्राधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- क० से ग्रिधिक है

25 000/- क० से अधिक है आंग जिसकी स प्लाट न० डी 200 है, जो जयपुर में स्थित हैं (आंग इससे उपाबद्ध अनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में भारतीय रिज अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जुलाई 6 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्मप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वियत नहीं विया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाण अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रिथीत् :—

1 श्री प्रेमनाथ ढडा पुत्र श्री सुखरामदास निवास 12, राजभवन रोड, कोटा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती कान्ता देवी पत्नि श्री हरिनारायण डंगायच निवास डी-49 हाथीबाब् मार्ग बनीपार्क, जयपुर.

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितश्रद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पन्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अधं होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसृची

पीपलेश्वर महादेव के पास कच्चा बन्धा रोड, बनीपार्क स्कीम 'ई' जयपुर स्थित प्लाट न० डी 200 का भाग कुछ बनी हुई इमारत महित प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1201.7 वर्गगज.

> (वी० पी० मित्तल) सक्षम प्राधिकारी (सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर-

तारीख: 29-1-75 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक : 29 जनवरी 1975

निर्देश सं० जे-3/74(13)10/347—- ग्रत: मुझे, बी० पी० अधिनियम, मिस्तल सायकर 1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की द्वारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी संप्लाट न० डी 200 ं है, जो जयपुर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण **प्रधिनियम**, 1908 (1908का 16) के ग्रधीन 1974 जुलाई 6 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक अन्तरक और (अन्तरकों) (अन्तरितियों) बीच ऐसे अन्तरण तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--!

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

श्री प्रेमनाथ ढंडा पुत्र श्री मुखरामदाम निवासी राजभवन रोड, कोटा

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती गुलाब देवी पिन श्री हनुमानबक्ष उंगायच निवास डी 49 हाथीबाय मार्ग बनीपार्क, जयपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप, :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपनित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पीपलेण्यर महादेव के पास कच्चा बन्धा रोड, बनीपार्क स्कीम 'ई' जयपुर स्थित प्णाट न० डी-200 का भाग कुछ बनी हुई इमारत सहिन प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1201.7 वर्गगज.

> (बी० पी० मिन्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर.

तारीख: 29-1-75

मोहर;

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक: 28-1-1975

निर्देश सं 40-एग/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विश्वम्भर नाथ ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख को ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावरं सम्पत्ति, जिसका उचित बाज⊓र मृत्य 25,000/- र० से श्रधिक हैं श्रीर जिसकी सं ए/69 है, तथा जो दुर्गाकृण्ड में स्थित है ( श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन , तारीख: 16-7-1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ्बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे प्रतिशत से ग्रधिक दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह (भ्रन्तरकों) है ग्रीर ग्रन्तरक और (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :--

ग्नत: श्रब, उक्त अधिनियम की द्यारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की द्यारा 269-भ की उपधारा (1) के श्रधीन निश्नलिखित व्यक्तियों अर्थातुः— 1. श्री भवानी प्रसाद जैसवाल व ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री महाबीर प्रसाद

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो जक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही ग्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 5970 वर्ग फुट है जो कि दुर्गाकुण्ड, वाराणसी में स्थित है।

> विश्वम्भरनाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, ल**ख**नऊ.

तारीख: 28-1-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपूर

जयपुर, दिनांक: 29-1-75

निर्देश सं० जे-3/74(14)7/344----ग्रतः मुझे, वी० पी० मिस्तल भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रिधिनियम कहा गया है,) की धारा 2.69 खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० डी 200 है, जो जयपुर में स्थित हैं श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्द्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1974 जुलाई 6 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना:

ग्रतः श्रब उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत :--

- 1. श्री प्रेमनाथ ढण्डा पुत्र श्री सुखरामदास निवासी 12, राजभवन रोड, कोटा (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती शांतिदेवी पत्नि श्री राधेण्याम डंगायच निवास डी 49 हाथी बाबू मार्ग बनीपार्क, जयपुर. (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप,:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के शब्दाय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुची

पीपलेक्वर महादेव के पास कच्चा बन्धा रोड, बनीपार्क स्कीम 'ई' जयपुर स्थित प्लाट नं० डी 200 का भाग कुछ बनी हुई उमारत सहित. प्लाट का कुल क्षेत्रफल 1201. 7 वर्गमज.

बी० पी० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर.

तारीख: 29-1-75

मोहर:

#### प्ररूप पाई० टी० एन० एस०---

भागकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक: 30-1-1975

निदश सं० 12-सी/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विश्वम्भरनाथ ग्रिधिनियम, 1961 (1961 軒 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है श्रीर जिसकी सं० डी-64/127/3 है तथा जो शिवपुरवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रजिस्द्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख-जुलाई, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्टीकृत विलेख के अनुसार प्रन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दुश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत प्रधिक है और यह कि म्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर मन्तरिति (मन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिमियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य धास्तियों को, जिन्हों भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव उम्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों को श्रमति:--- 1. श्री इन्द्र भूषण व ग्रान्य

(ब्रन्तरक)

2. श्री चन्द्र कुमार णाह

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदों, का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक किता मकान जिसका क्षेत्रफल 3500 वर्गफुट हैं, जो कि शिवपुरवा, जिला वाराणसी में स्थित है ।

> विश्वम्भरनाथ सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 30-1-1975

मोहरः

#### संघ लोक सेवा आयोग

अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परिक्षा, 1975 के नोटिस में संशोधन

नई दिन्ली -11001, दिनांक 12 श्रप्रैल 1975

सं० एफ० 11/2/74-ई०-I (बी०)—संथ लोक सेवा प्रायोग के नोटिस सं० एफ० 11/2/74-ई०-I (बी०) दिनांक 29 मार्च, 1975 द्वारा यथा संशोधित, भारत के राजपत्न दिनांक 22 जून, 1974 में प्रकाशित संघ लोक सेवा श्रायोग के नोटिस सं० एफ० 11/2/74-ई०-I (बी०) दिनांक 22 जून 1974 में निम्निलिखत संशोधन श्रीर किए जाएंगे:—

(i) (क) नोटिस के पैरा 4 के प्रथम उप पैरा में श्राए "19 श्रगस्त, 1974" तथा "2 सितम्बर, 1974" के **स्थान पर क**मशः "12 मई, 1975" **तथा** "26 मई, 197**5" रखे जाएंगे** ।

- (ब) पैरा 4 का द्वितीय उप-पैरा बिल्कुल हटा दिया जाएगा ।
- (ii) नोटिस के उपाबंध II के पैरा 2 (ii) के तीसरे उप पैरा में आए "19 श्रमस्त, 1974" के स्थान पर "12 मई, 1975" रखा आएगा और उस उप-पैरा के नीचे दिए गए परन्तुक की बिल्कुल हटा दिया जाएगा ।

एम० एस० थानवी ग्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 27th February 1975

No. F-4/2/73-Estt. (CRPF).—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis, Shri Mohinder Singh, Dy. S.P. (Coy. Comdr./Quarter Master) as Assistant Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He handed over charge of the post of Dy. Superintendent of Police (Coy. Commander) 41st Bn, CRPF on the afternoon of 16th December, 1974 and took over charge of the post of Assistant Commandant 13th Bn. CRP Force on ad-hoc basis on the afternoon of 19th December, 1974.

#### The 5th March 1975

No. O. II-54/72-Estt.—Consequent on the expiry of his term of re-employment in the CRP Force Col. A.M. David, (Retd.) relinquished charge of the post of Commandant 2nd Signal Bn, CRPF on the afternoon of 13th February, 1975.

S. N. MATHUR Assistant Director (Adm.)

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY New Delhi-22, the February 1975

No. 1-9/74-CFSL/1157.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment is pleased to appoint Shri P. K. Biswas, Senior Scientific Assistant, CFSL, CBI, New Delhi as Junior Scientific Officer (Biology) in the Central Forensic Science Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 12th February, 1975 (fore-noon) in a temporary capacity until further orders.

G. L. AGARWAL Administrative Officer (E)/C.B.I. for Director, C.B.I., New Delhi

#### MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 28th February 1975 No. 3495/(A).—In continuation of Notification No. 2783/(A) dated 28/11/74 the ad-hox appointment of Shri Ranganath Laxman Gokhale, as Stores Officer is further extended upto 31-8-1975 on the same terms and conditions or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

V. J. JOSHI General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 10th March 1975

No. 217-C.A. 1/17-72.—On attaining the age of fifty years, Shri T. M. Arunachalam, a permanent Audit Officer (Commercial) retired voluntarily from Government service with effect from 24-3-1974 (F.N.).

S. D. BHATTACHARYA Deputy Director (Commercial)

#### OFFICE OF THE A.G.C.R. New Delhi, the 7th March 1975

No. Admn. 1/PF/C.L. Dua/3016.—In pursuance of the notice served by Shri C. L. Dua on this office under F.R. 56(b) for retiring from Govt, service on attaining the age of 50 years the A.G.C.R. has permitted Shri C. L. Dua, an officiating Accounts Officer of this office to retire from Govt, service w.e.f. 15-2-75 A.N. on the expiry of 3 months notice.

The date of birth of Shri Dua is 1-1-25.

H. S. DUGGAL Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL MADHYA PRADESH-I

Gwalior-474002, the 4th March 1975

No. O.E. 1/4988.—Shri M. N. Pandit, a permanent Section Officer and an officiating Accounts Officer has been permitted to retire voluntarily from service with effect from 27-2-1975 afternoon in terms of Rule 43 of Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Notice of termination of service issued under rule 5(1) of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965

Calcutta-I, the 3rd January 1975

No. Admn. 1/PF/3884.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services ) (Temporary

Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Tapan Choudhury, Class IV Peon, Office of the Accountant General, West Bengal, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice

is served on or, as the case may be tendered to, him.

GHANSHIAM DAS,

Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

Dy, Accountant General (Admn.)
West Bengal

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS New Delhi-22, the 27th February 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

SI. Name with Roster Number No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
S/Shrì 1. G. S. Agarwal (P/18)	Permanent Accounts Officer	31-5-75(AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
2. B. Doddaya (P/252)	Permanent Accounts Officer	31-5-75(AN)	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
3. Balbir Narain Khanna (P/316)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
4. B. S. Jussal (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer	31-5-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun.

#### The 5th March 1975

No. 40011(2)/74-AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the Pension Establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation:—

Sl. Name with Roster Number No.	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
S/Shri 1. P. Venkataramanan (P/2)	Permanent Accounts Officer	30-6-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun.
2. D. G. Bhave (P/25)	Permanent Accounts Officer	31-6-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
3. R. Soundararajan (P/227)	Permanent Accounts Officer	30-6-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra Dun
4. V. V. Phadke (P/468)	Permanent Accounts Officer	30-4-75 (ΛN)	Controller of Defence Accounts (Factorics) Calcutta.
5. V. G. Talwalkar (NYA)	Officiating Accounts Officer	31-5-75 (AN)	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona,

<sup>2.</sup> The following is added as Sub-para below para 2 of this department notification No. 40011(2)/74-AN-A dated 4-1-75.

S. K. SUNDARAM Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

### OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi-1, the 12th March 1975

No. 5585/A-Admn/130/74.—On his superannuation Shri S. V. Joglekar, Offg. Audit Officer, retired from service with effect from 28-2-1975 (A.N.)

SMT. GIRIJA ESWARAN, Sr. Dy. Director of Audit, D.S.

## MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 12th April 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 decreased by one point to reach 325 (Three hundred and twenty five) during the month of February. 1975. Converted to base 1949=100 the index for the month of February, 1975 works out to 395 (Three hundred and ninety five).

K. K. BHATIA, Director.

<sup>&</sup>quot;Shri Bhagwati Prasad, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave preparatory to retirement for 18 days from 10-2-75 to 27-2-75 and earned leave for 1 day on 28-2-75".

<sup>3.</sup> The following is added as sub-para below para 1 of this department notification No. 40011(2)74-AN-A dated 22-1-75.

<sup>&</sup>quot;Shri S. P. Sharma, Officiating Accounts Officer has been granted earned leave preparatory to retirement for 28 days from 17-2-75 to 16-3-75 and carned leave for 4 days from 17-3-75 to 20-3-75".

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-726-74.—Whereas, 1. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. as per Schedule, situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Piara Singh S/o Harnam Singh, Villago Uggi, Teh, Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Hazara Singh S/o Piara Singh, R/o Village Rawalpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2. (Person in occupation of the property) (4) Any person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agriculture lands measuring 34 kanals 13 marlas at Village Uggi, Teh. Nakodar as mentioned in Registration Deed No. 1155 of July, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

Seal;

#### FROM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 3rd March 1975

Ref. No. AP-727-74.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per Schedule, situated as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in July 1974, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facialisting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Piara Singh S/o Harnam Singh, Village Uggi, Teh. Nakodar.

(Transferor)

#### (2) Shri Hazara Singh S/o Jaimal Singh, Village Rasulpur, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the land.
  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture lands 33 kanals 4 marles situated at Vill. Ugg, Teh. Nakodar as mentioned in Registration Deed No. 1154 of July 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jullundur

Date: 3-3-1975

#### FORM JTNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004

Poona-411004, the 13th March 1975

Ref. No. C-A/July '74/KARVIR/183/74-75.---Whereas, I H. S. AULAKH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. 2104 situated at Kolhapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer Karvir (K' pur) on 23-7-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
11—16CI/75

(1) Shri Y. S. Taste, constituted Attorney to Shrimant Maharajkumari S. S. Urmilaraje V. Ghorpade, New Palace, Kolhapur.

(Transferor)

(2) The Indian Hume Pipe Co., Ltd., Cinstruction House, Walchand Hirachand Marg, Ballard Estate, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold Plot of land admeasuring 2 acres (87120 Sq. ft.). i.e. 8094 Sq. Meters situated in Kolhapur Municipal Corporation Limits in Ward 'E' bearing C.S. No. 2104 (former C.S. No. 2112) of the Eastern side of Poona Bangalore Road in the Registration District Kolhapur Sub-Registration District Karveer, Bounded by:

On or towards East: by the plot of Shri D. D. Nimbalkar.

On or towards West: by Poona Bangalore Road.
On or towards North: by part of C.S. No. 2104.

On or towards North; by part of C.S. No. 2104. On or towards South by the Plots of Shetkari Sahakari Sangh Ltd., Kolhapur.

H, S. AULAKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rarge, Poona.

Date: 13-3-75.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD. POONA: 411004

Poona-411004, the 14th March 1975

Ref. No. C.A. 5/July'74/Sholapur/1974/74-75.—Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F.P. No. 56/5/1, 56/5/2, 56/5/7, 56/5/8 situated at Sholapur

described in the Schedule annexed hereto), has been transdescribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 11-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the follow-persons, namely:—

(1) Shri Mallikarjun Sambappa Upase, 102/B-7, Bhawani Peth, Sholapur,

(Transferor)

(2) Shri Ramakrishna Bissappa Udagiri, 175/3, C/o. M/s. Yeshwant Wine Mart, Kottam Chowk, Sholapur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold open plot at Bhawani Peth, T.P. Scheme No. 2, Sholapur.

Area		
371.1 Sq. Mtrs.		
391.4 Sq. Mtrs.		
325 Sq. Mtrs		
347.4 Sq. Mtrs		

H. S. AULAKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 14-3-1975

(2) Shri Shankar Ganesh Pethe.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITON RANGE-II, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BONBAY-20.

Bombay-20, the 12th March 1975

Ref. No. AR-II/1047/2594/74-75.--Whereas, I, G. S. Rao the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range II Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as 'Said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 113 of T.P.S. \*Vile Parle No. 1, City S. No. 998 (1 to 8), situated at Vile Parle (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 17-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the follow-persons, namely:—

(1) 1. Shri Madhukar Motiram Talpade, 2. Smt. said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition Madhukar Talpade, 4. Smt. Shobhana Tushar Talpade, 5. Shri Parimal Madhukar Talpade, 6. Smt. Vibha Parimal Talpade, 7. Shri Uday Tushar Talpade, 8. Shri Roopali Parimal Talpade.

(Transferors)

\*(3) Tenants,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Vile Parle (East) Taluka formerly known as South Salsette but now known as Andheri District Bombay Suburban in the Registration SubDistrict Bombay City containing by admeasurement 750.76 Sq. metres (910) Square yards) or thereabouts and known as Original Plot No. 51 the Town Planning Scheme of Vile Parle No. 1 and Final Plot No. 113 and assessed by the Collector of Land Revenue under portion of Survey No. 9 and entered in the Record of Rights of the Village of Vile Parle under Entry No. 1435(K) together with all messuages tenements and the tiled house and bungalow dwelling house of ground and first floor standing thereon and also a well and known as 'Laxmi Villa' and assessed by the Assessor and Collector of the Bombay Municipal Rates and Taxes under 'K' Ward No. 1953, Street No. 2 Tilak Mandir Road, for the tiled house and 1053(1), I Chittaranjan Road for the bungalow/premises and according to the changes made in the property by the City Survey authorities between the years 1956 and 1958 in the City Survey Vile Parle (EAST) Taluka Andheri District Bombay Suburban and noted in the Property Register Card and property being shown as bearing City Survey No. 998, 998(1), 998(2), 998(3), 998(4), 998(5), 998(6), 998(7), 998(8), each number respectively admeasuring 572.6, 49.3, 18.7, 21.2, 57.4, 20.5, 21.2, 18.8, and 15 which entire property is bounded as follows: that is to say on or towards the East by the final plot No. 53 of the said Town Planning Scheme No. 1 and on or towards the West by the Public Road present known as Tilak Mandir Road and on or towards the North by another Public Road at present known as Chittaranjan Road and on or towards the South by the Plot No. 52 of the said Town Planning Scheme No. 1 of Vile Parle.

G. S. RAO.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 12th March, 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 25, Nazul Sheet No. 4, Napier Town, Jabalpur

situated at Jabalpur

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jababur on 20-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesard property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section

(1) of section 269D of the said Act to the following persons

namely :--

(1) Shri Swai Singhai Ishwarprasad S/o late Shri Rai Bahadur Munmalal Jain R/o Bhaldarpura Jabalour.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchand Jain S/o Shri Hemchand Jain, R/o Bhaldarpura, Jabalpur, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 25, Nazul Sheet No. 4, Napier Town, Jabalpur.

M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-3-1975.

FORM ITNS----

(2) Shri Padri Harenias Joseph S/o B. Joseph, R/o Durg.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 369D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION ON RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Bungalow on Nazul Plot No. 14, Sheet No. 13, P.H. No. 78, R/No. 269 Durg situated at Durg

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg on 15-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirja W/o Shri Avinashchand, 32 Bungalow, Bhilai.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bungalow on Nazul Plot No. 14, sheet No. 13, P.H. No. 78, R/No. 269 Durg.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 10-3-1975,

#### Form ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

#### Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74- 75.— Whereas, I. M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

property situated at Juna Bilaspur, Near Vidya Nagar Colony, Bilaspur—Area 4.08 acres situated at Bilaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bilaspur on 3-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Abdul Rahim S/o Abdul Gani, Shri Allabux S/o Pirbux, Shri Barkatali Som of Rajabali Farista. Shri Sadruddin Son of Rajabali Farista, Shri Purshottamlal S/o Onkarlal Sharma, Advocate, R/o Raipur C/o M/s. Rajabali Wali Mohd., Jaistanbh Chouk, Raipur. (Transferor)
- (2) Shri Bishnuprasad S/o Pyarelal Sharma of Narayanpur, Now at S.D.O., Ambikapur.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property situated at Juna Bilaspur near Vidya Nagar Colony, Bilaspur—Area of the plot 4.08 Acres—Constructed area 7000 sq. ft.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 10-3-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act' have reasons to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No. open plot measuring 3011 sq. ft. of Block No. 3, 2nd portion. Near Alpana Talkies, Bhopal situated at Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 1-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Nok, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Hussaini Trading Co., Acting through Haji Ajaib Hussain S/o Yascenali, Behind Bank of Baroda, Hamidiya Road, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Narendrakumar S/o Chiranjilal Uppal, Block No. 13, Quarter No. 156, Govind Nagar, Kanpur-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Open plot measuring 3011 sq. ft. of block No. 3, 2nd portion, Near Alpana Talkies, Bhopal.

> N. F. MUNSHI. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-3-1975.

Form ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 141/1, 142/2, house No. 720 Kamla Nehru Nagar (Agarwal colony) Jabalpur situated at Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jabalpur on 25-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Subashchand Mobbey, Advocate, R/o
 Niwadganj, Kamala Nehru Nagar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramnarain S/o Pt. Kripashanker Pathak, R/o 64/2, Chitrajan Marg, G.C.F. State, Jabalpur,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 141/1, 142/2, house No. 720 Kamla Nehru Nagar (Agrawal Colony), Jabalpur.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 10-3-1975.

#### FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

#### Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75,-Whereas, 1 M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot of land measuring about 33000 sq. ft on G.E. Road, Rajnandgaon situated at Rajnandgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajnandgaon on 5-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such

apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
12—16GI/75

 Shri Hensraj S/o Varsingh Christian, R/o Tanka Para, Agriculturist of Vill. Lakholi, Teh Nawagaon, Distt. Rajnandgaon.

(Transferor)

(2) M/s. Laxmi Saw Mills (Regd. Firm)—Through Partner Shri Chandulal S/o Khimjibhai Patel, G.E. Road, Rajnandgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Plot of land measuring about 33000 sq. ft. on G.E. Road, Rajnandgaon.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Bhopal

Date: 10-3-1975.

#### Form ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No. plot of land part of No. 40 and 43 out of K. No. 96 total area 1233 sq. yards situated at Iddgah Hills, Bhopal

situated at Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

Bhopal on 31st July, 1974 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri S. Jogindersingh, 2. Shri S. Rajinder Singh sons of Dr. Trilok Singh, R/o Hamidia Road, Bhopal,

(Transferor)

Shri Mohd. Maqsood Siddiquee, 2. Shri Mohammad Saud both sons of Mohammad Masood Siddiquee r/o Hawa Mahal Road. Bhopal.
 (Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot of land part of No. 40 and 43 out of K. No. 96 total area 1233 sq. yards situated at Iddgah Hills, Bhopal.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhoval

Date: 10-3-1975.

(2) Smt. Kumud Devidas Thakar, 17 Snehlataganj, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

(a) by any of the aforesaid persons within a period

Bhopal, the 10th March 1975

RANGE, BHOPAL

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market valuexceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

149, Tilak Path, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Indore on 11-7-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3 storeyed building situated at 149, Tilak Path, Indore.

M F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

(1) Shri V. N. Khandekar, 149 Tilak Path, Indore. (Transferor)

Date: 10-3-1975,

(1) Kalani Agricultural Farm—Partner Shri Narayan Kalani, 11 M.G. Road, Indore. Shrl Badri (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Mrs. Rasik Nagindas Shamji, Bhai Shah, Shri Niketan, 14 queen's Road, Bombay (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No.

Khasra Nos. 139/3 and 210/1-total area 38.62 acres at Village Sirpur, Indore situated at Indore

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore on 22-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now. therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Khasra Nos. 139/3 and 210/1—Total area 38.62 acres at Village Sirpura, Indore.

> M. F. MUNSHI, Competent Authority, Inspection Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-3-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No. Nazul Plot No. 9/4. Block No. 11 Civil Station, Raipur M.C. Raipur, area 2132 sft. with shops constructed over it situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 16-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Pammibai W/o Rupchand Ahuja, 2. Anandram son of Rupchand Ahuja, 3. Jawahar son of Jhamuandas, 4. Bhagatram son of Jhamnadas all resident of Ravigram Raipur, 5. Maya W/o Khlaldas R/o Sambalpur 6. Sheelabai W/o Chandrapal R/o Borsad, 7. Pushpabai W/o Laxmichand R/o Tiroda and 8. Kamalabai W/o Atmaram R/o Gondia,

(Transferor)

(2) Shri Murlidhar son of Hemraj, Nayapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul plot No. 9/4 Block No. 11 Civil Station, Raipur M.C. Raipur area 2132 sft. with shops constructed over it.

M. F. MUNSHI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range,
Bhopal

Date: 10-3-1975.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Munshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

Nazul Plot No. 9/4 Block No. 11, Civil Station Raipur, M.C. Raipur area 1785 sft, with shops constructed over

it situated at Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Raipur on 16-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shrimati Pammibai W/o Rupchand Ahuja, (2) Shri Anandram son of Rupchand Ahuja, (3) Shri Jawahar son of Jhamandas, (4) Shri Bhagatram son of Jhamandas all r/o Ravigram, Raipur, (5) Maya W/o Khaildas, R/o Sam-bhalpur, (6) Smt. Sheela bai w/o Chandrapal R/o Borsad, (7) Smt. Pushpabai W/o Laxmichand R/o Tiroda and (8) Smt. Kamla Bai W/o Atmaram R/o Gondia.

(Transferor)

(2) Shri Hemraj S/o Laxmandas R/o Nayapara, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the maid immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 9/4, Block No. 11, Civil Station Raipur, M. C. Raipur area 1785 sft. with shops constructed over it.

> M. F. MUNSHI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-3-1975.

(2) Shri Lalchand S/o Hemraj, Nayapara, Raipur. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I M. F. Mi nshi being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nazul Plot No. 9/4, Block No. 11, Civil Station. Rairur, M.C. Raipur area 2020 sft, with shops constructed over it situated at Raipur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Raipur on 16-7-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Pammibai W/o Rupchand Ahuja. (2) Anandram son of Rupchand Ahuja. (3) Jawahar son of Jhamandas. (4) Bhagat Ram son of Jhamandas all R/o Ravigram Raipur (5) Maya W/o Khialdas R/o Sambalpur, (6) Sheelabai W/o Chandrapal, (7) Smt. Pushpa-bai W/o Laxmichand R/o Tiroda and (8) Kamlabai W/o Atmaram R/o Gondia. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 9/4, Block No. 11 Civil Station, Raipur, M.C. Raipur area 2020 sft, with shops constructed over it.

> M. F. MUNSHI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-3-1975.

(2) M/s H. K. Sizing Work.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undermentioned:

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th February 1975

Ref. No. 13-H/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 450, 452 situated at Shahadatpur,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereby), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mahomdabad Azamgarh on 5-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### .HE SCHEDULE

A factory situated at Shahadatpur Distt, Azamgarh,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition
Range, Lucknow.

Date: 24-2-75

(1) Shri Satendra Singh & Other

(Transferor)

(2) Ms. H. K. Sizing Work.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th February 1975

Ref. No. 13-H/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 450 & 452 situated at Shahadatpura, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahmdabad, Azamgarh on 5-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 24-2-75

(Transferor) Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in written to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A factory situated at Shahadatpura, Distt. Azamgarh.

BISHAMBHAR NATH,

of Income-tax( Acquisition

Inspecting Assistant Commissioner

Competent Authority.

Range, Lucknow.

(1) Shri Surrendra Singh,

transfer with the object of-

13-16GI/75

(1) Dhan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. H. K. Sizing Works.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 24th February 1975

No. 13-H/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 450 & 452 situated at Shahadatpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mahmdabad, Azamgarh on 6-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A factory situated at Shahadatpura, Distt. Aramgarh.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
I ucknow.

Date: 24-2-75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th March 1975

No. 52-S/Acq.-Whereas, I Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10/77, (Nand Bhavan) situated at Moh. Alamgiri Ganj,

Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bareilly on 19-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Raj Kumar & Others

(2) Smt. Sharda Devi.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

A house measuring 280 yds, situated at Moh, Alamgiri Ganj, Bareilly.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 7-3-1975

Seal:

(Transferce)

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 12th March 1975

No. Acq. 23-I-302(150/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income Iax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 1553 to 1560, 1566 & 1567, Khadia Ward-I, situated at Khadia, Char Rasta, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 16-8-1974.

for an aappearent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

- (1) Shri Ghelubhai alias Bhaskarrao Pranlal Desai, Kalumiya's Takiya Khadia Golwad, Ahmedabad. (Transferor)
- M/s Purohit & Co., through, Shri Rughnath Tejaji Purohit,
   Sadhana Society, Shahibaug Road, Ahmedabad. (Transferce)
- (3) 1, M/s. Oghadlal Lallubhai,
  - 2. Baldevdas Manilal,
  - 3. Joitaram Jigibhai,
  - 4. Harihar Printing Press,
  - 5. Dhirubhai & Sons,
  - 6. Maganlal Ranchhodlal Solanki,
  - 7. Dineshchandra Chandrakant Shah,
  - 8. Madhukant H. Patwa,
  - 9. B. D. Bhatt.
  - Thakorlal Dahyabhai Patel, (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 457 sq. yards bearing Survey No. 1553 to 1560, 1566 and 1567 and situated at Khadia Ward-I, Khadia Char Rasta, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 12-3-1975

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th March 1975

Acq. File No. 169/74-75 J. No. I(198/74-75.—Whereas, I

K. Subbarao, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 22-1-139 situated at Powerpeta, Eluru (and more fully described in the Schedule annexed here-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Eluru on 15-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Chinta Sarwa Rao,
 Partner of M/s Majeti Rama Mohanarao,
 Vijayawada.
 (Transferor)

(1) 1. Shri Chitturi Suryarao and 2. Smt. Chitturi Venkata Laxmi C/o Padma Agencies, Powerpeta, Eluru,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

West Godavai District—Eluru Taluk—Eluru Sub-Registrar—Eluru Municipality—Eluru Town—Powerpeta—Old Ward 7/E—New Ward No. 16 Asst. No. 6173—Door No. 22-1-139—T.S. No. 567—403 Sq. Yds. site with building. BOUNDARIES

North: Site and Godown building of Sri J. Ramachandrao

East: Main Road—645 ft. South: Site of G. Narsoji 75 ft.

West; Site of B. L. N. Somayajulu 51-6 ft.

K. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 7-3-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Pentapati Radhakrishnamurthy K. Ramkrishna and 3. P. Chinna Venkanna C/o M/s Kishore Art Packers & Printers, Vizianagaram.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 7th March 1975

Ref No. Acq. File No. 170 J. No. I(74)/VSP/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. B-11 situated at Vantitadi Agraharam, Vizianagaram (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vizianagaram on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri Putta Venkatarao, C/o M/s Maruthi Arts Pakers, Vizianagaram. may be made in writing to the undersigned—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Visakhapatnam District—Vizianagaram Sub-Registrar—Vantitadi Agraharam Panchayat—Vantitadi village—Plot No. B-11—Industrial Estate—Vizianagaram—Shed and site.

#### BOUNDARIES

East: Road Prepared by A.P.E. Estate

South: Kamal Industries

West: G.A.R.—Re-rolling Mill North: Gram Panchayat Road

K. SUBBARAO.
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

. Date: 7-3-1975

Scal:

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 10th March 1975

Ref. No. C.A.5/July74/Ahmednagar/181/74-75.—Whereas, I H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

City Survey No. 5296 situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ahmednagar on 22-7-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri Gopalkrishna Muthuswamy Iyer Near Asha Talkies, Ahmednagar.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ganpat Vithoba Khakal 2. Shri Rambhau Vithoba Khakal, 3. Shri Uttam Vithoba Khakal,
  - 4. Shri Subhash Dattatraya Khakal (minor) guardian by Laxmibai Dattatraya Khakal, all at near Asha Talkies, Ahmednagar.

(Transferee)

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period (a) by expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Two Storeyed building, Municipal No. 3982, C.S. No. 5296, Ward No. 9, Near Asha Talkies, Ahmednagar Area: 98.7 Sq. Mtrs.

> H. S. AULAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 10-3-1975

#### (2) M/s. P. M. M. Ashraf Ali, P. M. M. Jafar Aali, No. 47, Thammanna Chettiar Road, Salem-9. (Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) QF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. F.XVI/1(iii)/5A/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
S. No. 58 (New Door No. 172-C) situated at Bodinayakkampatti village, Salem
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under
the Registering Officer at JSR, III, Salem in July 1974
September 1974

for an apparent consider-ation which is less than the fair market value of the afore-

said property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in land and building measuring 9646 sq. ft. at door No. 172-C Bodinayakkampatti village, Sooraman-galm-Shevapet Road, Salem.

> K, V. RAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

(1) Shri K. Balarama Chettiar & others. B. 17, Kambar St., Salem-5,

Date: 10-3-1975

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. F.XVI/1(iii)/5B/74-75.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/tering officer at JSR II, Salem, in July 1974,

Bodinayakkampatti village, Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR III, Salem in July 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

14-16GI/75

(1) Shri K. Balajama Chettiar & others, B-17, Kambar St., Salem-5.

(Transferor)

(2) M/s. P.M.M.Md. Basha & P.M.M. Mubarak, No. 47, Thammanna Chettiar Road, Salem-9. (Transferee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share in land and building measuring 9646 sq. ft. at door No. 172-C. Bodinayakkampatti village, Sooramangalam-Shevapet Road, Salem.

K. V. RAJAN,

Competent Authority, Irrspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6,

Date: 10-3-1975.

Seal;

Form ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th March 1975

Ni. FIX/5/13/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-

tieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. 18A & 18B situated at Audiappa Naicken Street, Madras-1,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. Sowcarpet on July, 1974 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal Sharma, 18A & 18B, Audiappa Naick St., Madras-1.

(Transferor)

(2) The Madras Kirana Merchants' Assn., 210, Govindappa Naick St., Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHFDULE

Land measuring 1647 sq. ft. at door No. 18A & 18B, Audiappa Naicken Street, Madras-1 with building,

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 17-3-1975

Seal:

H

(1) Smt. Shanthi Devi, C/o Arya Bhavan, South Masi St., Madurai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Dhanasckaran & Krishnamurthy, 6, South Pandian Akil Pacharisikara 1st Lane, Madurai,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. F.X/1(1)/12/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6 situated at South Pandian Akil Pacharisikara

1st Lanc, Madurai,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer JSR. I, Madurai on July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the faoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land (1758 sq. ft.) and building at door No. 6, South Pandian Akil Pacharisikara 1st Lane, Madurai,

> K. V. RAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 10-3-1975

#### FORM ITNS ---

 Shri Sivashanmughasundaram, S/o, M. Krishnappa Chettiar, Fort, Namakkal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. F.XVI/12/4/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 2901 & 295/5 situated at Namakkal

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Namakkal on July, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) M/s A. Natarajan, T. P. Doraiswamy, T. P. Rathinam & Smt. R. Dhanam, Namakkal & Shri M. Murugian Chettiar, Mannargudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land (1.67 acres) and buildings in Survey Nos. 290/1 & 295/5 in Namakkal, Salem District,

K. V. RAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 10-3-1975

#### FORM ITNS...

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. P.XVI/1(1)/15/74-75.—Whereas, J, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 44/3 & 45/1 situated at Block No. 19, Ward D,

Peria Aii village Salem.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at PSR. J. Salem on July 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri M. S. Hussain, Shri K. S. Sampathkumar, Shri K. S. Rajagopal & Shri Srinath, Salem.

(Transferor)

(2) Shri S. Krishnaswamy Chettiar, Smt. K. Santha Devi, Smt. K. Sulochana & Shri S. Sukumaran, Mungapadi Street, Gugai, Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:— The terms and expressions med herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building measuring 285881 sq. fit. situated at T.S. No. 44/3 and 45/1. Block No. 19, D Ward, Periari Village, Salem.

> K. V. RAJAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 10-3-1975

Form 1TNS -

(2) Shri R. Rajarathinam,22/6, Reddiappa Mudali St., Kosapet, Vellore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th March 1975

No. F.XXI/15/7/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 to 5 situated at Officers Line, Vellore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Vellore on July, 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s A. S. Jankiraman & A. S. Chandrasekaran, 117/1, Narayana Pillai Street, Civil Station,

Bangalore.

may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land (189C sq. ft.) and building at door Nos. 2, 3, 4 & 5, Officers Line, Vellore.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 10-3-1975

Scal:

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th March 1975

No. F.VIII/2/3/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. Sy. No. 2898 situated at Azhahiapandiapuram village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagerkoil on July, 1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acq. of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Miss Elizabeth Anne Simpson,
 Miss Rose Mary Jane Simpson &
 Miss Margaret Rose Simpson,
 Black Rock Estate, Azhagiapandiapuram village,
 Thovalai Tk., K. K. District.

(2) Shri K. V. Joy, Kannankara House, Kummanam, Kottayam, Kerala & Shri P. P. Philipose, Thekethalackal Puthenangadi, Kottayam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

40 acres of land in Sy, No. 2898/1 at Azhahiapandiapuram village. Thovalai Taluk, Kanyakumari Dt.

K. V. RAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 7-3-1975

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

61, Ramaswamy Street, Madras-1.

(Transferor)

(2) Shabandri Abdul Hameed, Shabandri Hussain & Bibi Hajiva, 195, Angappa Naicken St., Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 7th March 1975

No. F,IX/3/60/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door

No. 61 situated at Ramaswamy Street, Madras-1. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR, II, Madras on July, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any Income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1840 sq. ft. and building at door No. 61, Ramaswamy Street, Madras-1.

K. V. RAJAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rangt-1, Madras-6.

Date: 7-3-1975

Seal;

(1) Shri A. Narayana Udupa,

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Duraikannammal, 215, Mint St., Madras-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. S. Lilli Bai & P. S. Bhanumathi. No. 35, Nambulier St., Madras.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 6th March 1975

No. F. IX/3/62/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door
No. 215 situated at Mint Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR. II, Madras on July 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
15—16GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are define I in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Land (1 ground and 192 sft.) and building at door No. 215, Mint Street, Madras-1.

K. V. RAJAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 6-3-1975,

(2) Shri S. Ramaswami, No. 1, Seethamma Road, Teynampet, Madras-18, (Transforce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 12th March 1975

Ref. No. 1237/74-75.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No. 35 situated at G.S. Colony Cenetoph Rosa Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Dock No. 1159/74) on 1-7-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House & ground bearing Door No. 35, G.S. Colony, Conetoph Road, Madras-18 (2 Grounds & 485 S. ft.—Part of R.S. Nos. 3847/12, 16, 17, 18 & 21).

A. RAGHAVENDRA RAO,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

(1) Smt. D. L. Narayanamma 35, GS. Colony, Cenetoph Road, Madras-18.

(Transferor)

Dato: 12-3-1975

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 28th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-436(145)/1-1/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereto referred to as the 'said Act' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, T.P. Scheme No. 12 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Harishchandra Shankarlal Panchal, Shankar Nivas Building, Gheekata, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Sukrit Co-op, Industrial Estate Ltd., C/o. Shri Ajaykumar Raichand Shah, 636, Panchidas Mohalla, Asarwa Chakla, Ahmedabad-16.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of open land out of 10156 sq. yards, bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, of T.P. Scheme No. 12 and situated at Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1975.

 Shri Dilipkumar Shankarlal Panchal, Shankar Nivas Building, Gheekata, Ahmedabad-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 28th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-437(146)/1-1/74-75.---Whereas, I, J. Kathuna, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, T.P. Scheme No. 12 situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 20-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

transfer with the object of-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sukrit Co-op. Industrial Estate Ltd., C/o. Shri Ajaykumar Raichand Shah, 636, Panchidas Mohalla, Asarwa Chakle, Ahmedabad-16.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of open land out of 10156 sq. yards, bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, of T.P. Scheme No. 12 and situated at Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1975.

#### FORM LT.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 28th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-438(147)/1-1/74-75.—Whereas. I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 370-1. Final Plot No. 82, T.P. Scheme No. 12 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering office at

Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Vikrambhai Shankarlal Panchal, Shankar Nivas Building, Gheekata, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Sukrit Co-op. Industrial Estate Ltd., C/o. Shri Ajaykumar Raichand Shah, 636, Panchidas Mohalla, Asarwa Chakla, Ahmedahad-16

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-- The terms and expressions used herein as pro defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of open land out of 10156 sq. yards, bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, of T.P. Scheme No. 12 and situated at Ahmedabad.

J. KATHURIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1975.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 28th February 1975

Ref. No. Acq. 23-1-439(148)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act. (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, T.P. Scheme No. 12 situated at Ahmedabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, 1 of the said Act hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Dahigauri Shankarlal Panchal, Shankar Nivas Building, Gheekata, Ahmedabad-1.

(2) Sukrit Co-op. Industrial Estate Ltd., C/o, Shri Ajaykumar Raichand Shah, 636, Panchidas Mohalla, Asarwa Chakla, Ahmedabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of open land out of 10156 sq. yards, bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, of T.P. Scheme No. 12 and situated at Ahmedabad,

J. KATHURIA

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1975.

Seal:

(Transferor)

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

RANGE-I, 2nd FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 28th February 1975

Ref. No. Acq. 23-I-440(149)/1-1/74-75.—Whereas, I J. Kathuria, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, T.P. Scheme No. 12 situated at Ahmedabad

(and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) on the office of the registering officer at Ahmedabad on 29-7-74 Ahmedabad on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue or this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sunilkumar Shankarlal, Shankar Nivas Building, Gheekata, Ahmedabad-1.

(Transferor)

(2) Sukrit Co-op. Industrial Estate Ltd., C/o. Shri Ajaykumar Raichand Shah, 636, Panchidas Mohalla, Asarwa Chakla, Ahmedabad-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of open land out of 10156 sq. yards, bearing Survey No. 370-1, Final Plot No. 82, of T.P. Scheme No. 12 and situated at Ahmedabad.

J. KATHURIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Dated: 28-2-1975,

Scal:

#### FORM 1.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Kumari Sheik Meera Moideen Saheb, S/o, Late Jamal Saheb, Main Road, Nidadavole. (Transferor)

(2) Shrimati Ruhunnisa Saheba, W/o Late Md. Hussain Sheriff. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 24th February 1975

Ref. No. 1(230)/EG/74-75/Acq. File No. 155,---Whereas, I K. Subba Rao being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reforred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-3-19 situated at Gandhipuram Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Rajahmundry on 15-7-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

instrument of transfer with the object of :---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

East Godavari Dt. Rajahmundry Sub-Registration Rajahmundry Town Gandhinagar Panchayat Door No. 21-81 Building etc.

Boundaries
East—Raja Veedhi 79 ft.
South—Raja Veedhi 70 ft.
West—Compound wall of Dr. P. Rama Murthy 69 ft.
North—Compound Wall 70 ft. of R. Appala Raju.

K. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 24-2-75,

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION

#### RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 27th February 1975

Ref. No. RAC. No. 115/74-75.—Whereas, I K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Survey No. 128, 129 S.P. No. 120-3-A, F.P. No. 6-2-939/1 situated at Khairtabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on 27-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

16-16GI/75

(1) Mrs. Erna Fisher W/o late Mr. Richard Fischer, H. No. 6-2-940, Raj Bhawan Road, Khairtabad, Hyderabad.

(Transferor)

(1) 1. Smt. Afzal Bec alias Gori Bee, W/o late Mohd. Hussain H. No. 286/A, Rambopalpet, Secunderabad, 2. Sri Ahmed Saleem, S/o late Mohd. Hussain, 3. Smt. Romana Begum, D/o late Mohd. Hussain, No. 2 and No. 3 are under guardian-ship of their natural mother No. 1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House No. 6-2-939/1 at Raj Bhawan Road, Khairtabad Hyderabad admeasuring 453 Sq. Yards.

#### **Boundaries**

North—House No. 6-2-939 South—House No. 6-2-940 East—Raj Bhawan C.C. Road West—House No. 6-2-638 belong to Mohd. Saleemullah.

K. S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 27-2-1975,

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION
RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 26th February 1975

Ref. No. 2255/74-75.—Whereas, I A. Raghavendra Rao

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act) have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 22/338 situated at Raja Street, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registertation Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbotore on 15-7-1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri N. Venkatachalam & Shri N. Arumachalam Raja St., Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Kaliammal & Shri Balasubramanian (Minor) (Minor represented by guardian Smt. Kaliammal) No. 4, Naxiniappa Naicken St., Park Town Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 13-19 cents (with building) situated at Door No. 22/338 Raja Street, Coimbatore (T.S. No. 6/967).

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date: 26-2-75.

(2) Smt. Sarasvathy Balu, W/o Shri M. Balusami, No. 126, Thirunagar Colony, Erode, (Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

ICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II.

Madras-6, the 26th February 1975

Ref. No. 2241/74-75.—Whereas, I A. Raghavendra Rao

being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 198 & 199, situated at Variety Hall Road, Coimbatore (and more tuily described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Omeer at

JSRO III, Coimbatore on 11-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri N. Bommana Gouder; Shri B. Sripivasan; and Shri B. Kumar, No. 58, Ramasami Colony, Koundampalayam Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building in T.S. No. 197, 198, 199 and T.S. No. 2/197 (Door Nos. 198 & 199) Variety Hall Road, Coimbatore.

A. RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Madras-6.

Date: 26-2-75,

#### FORM I.T.N.S.----

(2) Shri Shameem Rasul' Mujawar, Club Road, Belgaum.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR-4.

Dharwar-4, the 25th February 1975

Notice No. 70/74-75/ACQ.—Whereas, I, R. Parthasarathy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing R. S. No. 1382/12 situated at Club Road, Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Belgaum under Document No. 2202/74-75 on 31-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Maimunnisa Alias Haseena, W/o Khasimsaheb Dharwadkar, Lingaraj College Road, Belgaum. (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Open Plot No. 6 bearing R.S. No. 1382/12 measuring  $80 \times 155$  situate at Club Road, Belgaum and bounded:

On the East—By Plot No. 5 in the same Survey Number belonging to Mujawar Brothers;

On the West—By Plot No. 7 in the same Survey Number belonging to Mujawar Brothers.

On the South—By Plot No. 12 belonging to Shri Shanbhag in front of Bhangi Road and

On the North-Belgaum Club Road.

R. PARTHASARATHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar.

Date: 25-2-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, CENTRAL REVENUES BUILDING, 3RD FLOOR, NEW DELHI

#### New Delhi, the 26th February 1975

Ref. No. IAC/Acq.II.—Whereas, I. C. V. GUPTE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/71 situated at Punjabi Bagh Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 3-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Smt Vimal Marwaha W/o Dr. Dev Raj Marwaha Resident of 46 34, S. N. Banerjee Road, Calcutta

at present 87 Threatre Road Calcutta-7.

(Transferor)

(2) M/s. Diwakar Investments Ltd., 1/5-B, Asaf Ali Road, New Deihi-11001,

(Transferce)

(3) Shri Jogesh Kumar Bansal S/o Shri Kanwar Lal Bansal, 24/75 Punjabi Bagh, Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab'e property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Freehold plot of land bearing No. 22, Road No. 71, measuring 1330 sq. yds. situated at Punjabl Bagh and bounded as under:—

North: Service Lane South: Road No. 71 East: Road No. 77 West: Road No. 20.

> C. V. GUPTE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Delhi/ New Delhi.

Date: 26th February 1975.

NOTICE UNDER SECTION 26910(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th January 1975

Ref. No. PR. 190/Acq. 23-301/13-7/74-75.—Whereas. I, P. N. MITTAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sur. No. 299 and 300-Open land—20549 sq. yds. situated at Mehmedabad-Dist. Kaira (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mehmedabad on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the (tansferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Baj Chanchal Wd. of Vadilal C. Modi,
  - (2) Rameshchandra Vadilal Mehmedabad.

(Transferor)

(2) Bapu-Kaka Co-operative Housing Society Ltd., through its Chairman, Bansilal Ratilal Parikh, Dr. Arvindkumar Chandrakant Shah—Secretary Mehmedabad.

(Transferee)

- (3) Shri Ajitkumar M. Shah as Confirming Shah Corporation party through partners—
  - (1) Indravadan Mangaldas Shah;
  - (2) Rameshchandra C. Shah;
  - (3) Jagmohandas R. Parikh;
  - (4) Jishorkumar J. Shah,

'Person whom the undersigned knows to be inttrested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Open land admeasuring 20549 sq. vds bearing Sur. No. 299 and 300 situated at Mehmedabad, Dist. Kaira as described fully in the Sale Deeds registered under registration Nos. 1342, 1343 and 1344 date 31-7-74 by Registering Officer, Mehmedabad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 30-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 30th January 1975

Ref. No. 181/Acq. 23-342/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. MITTAL.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sur. No. 2 and 4—Munl Ward No. 13 Nondh No. 138—139 Paiki—Plot No. 13 situated at Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Surat on 20-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) M/s. Sarkar and Associates, Surat through partners Mahendra Chhaganlal Zaveri Avanlben Avinash Majmudar Ramniklal Mulchand Zaveri Navinchandra Chhaganlal Zaveri Sakarchand Chhaganlal Zaveri
C/o., M. J. Engineers and Builders,
11/208, 2nd floor Bhagatalao, Surat.
through their power of attorney Mahendra C.
Zaverl.

(Transferor)

(2) Shri Birdhlchandji Bherudanji Chhajed Balaji Road, Surat.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immovable property bearing Sur. No. 2 and 4 Muni Ward No. 13 Nondh No. 138-139 Paiki Plot No. 13—T. P. Scheme No. 5—admeasuring 937 sq. yds, situated at Athwa Tal. Chorasi, Dist, Surat as mentioned in the registered deed No. 2718 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Aquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date: 30-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th January 1975

Ref. No. PR-182/Acq.23-263/19-7/74-75.—Whereas, 1, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Paiki, Ward No. 2 Nondh No. 1938 situated at Sangrampura, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-7-1974 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mohanlal Shantilal,
  - (2) Mansukhlal Shantilal,
  - (3) Navapura, Karve Road, Surat
  - (4) Dhansukhlal Chandulal,
  - Hiralal Chandlal, Chakawala Street Wadi-falia, Surat.

(2) (1) M/s. Patel Bros. Estate Agency

- (2) Hira Modi, Street, Sangrampura, Surat-through Partners—
- (1) Champaklal Girdharilal Patel
- (2) Ishwarlal Girdharilal Patel
- (3) Natverlal Girdharilal Patel
- (4) Kantilal Girdharilal Patel

(5) Champaben Girdharilal Patel.

(Transferee)

- (3) (1) Partners of Visco Land Corporation
  - (2) Vimalaben Nanubhai Desai
  - (3) Yashwantlal Chimanlal
  - (4) Taraben Ratilal
  - (5) Champaklal Chunilal

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An immovable property bearing Nondh No. 1938 Paiki situated in Municipal Ward No. 2. Sangrampura, Surat, admeasuring 748 sq. yds. as mentioned in the registered deed No. 2454 of July 1974 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date 30-1-1975 Seal :

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

#### LUCKNOW

Lucknow, the 19th February 1975

Ref. No. 35-A/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Utraula

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Utraula on 17-7-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Noor Mohd, and Others.

(2) Smt. Allah Bandi,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5 portion of one house two-storeyed which is situated at Utraula in Distt. Gonda.

#### BISHAMBHAR NATH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-2-1975

Scal:

(Transferee) Se

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th February 1975

Ref. No. 46 M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and situated at Utraula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Utraula on 17-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Noor Mohd, and Others.

(Transferor)

(2) Shri Mohd Sahajad.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A two-storeyed building's 1/5 share is situated at Utraula, Distt Gonda.

BISHAMBHAR NATH.

Acquisition Range, Lucknow.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Date: 19-2-1975

(Transferce)

Seal ;

#### FORM ITNS----

(1) Shri Noor Mohd. and Others.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Shahwaz.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th February 1975

Ref. No. 45 M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/~ and situated at Utraula (and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Utraula on 17-7-1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesoid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A two-storeyed building's 1/5 share is situated at Utraula Distt. Gonda.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-2-1975

#### (2) Kaesar Jahan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th February 1975

Ref. No. 27 K/Acq.—Whereas, I Bishambher Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. situated at Útraula, Gonda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Utraula on 17-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisinng from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storeyed building's 1/5 is situated at Utraula in Distt. Gonda.

> BISHAMBHER NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 19-2-1975

(1) Shri Noor Mohd, and Others.

(Transferor)

(2) Km. Suraiya Begum.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 19th February 1975

Ref. No. 51-S/Acq.-Whereas, I, Bishambhar being the competent authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Utraula (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Utraula on 17-7-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Λct in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/5th portion of one house two-storeyed which is situated at Utraula in Distt. Gonda.

BISHAMBHER NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tex, Acquisition Range, I ucknow.

(1) Shr Noor Mohd, and Others.

Date: 19-2-1975

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 22nd February 1975

Ref. No. RAC. No. 109/74-75,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAM AN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-9-311 and 312 situated at Gunfoundry, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-7-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Sri Kushalchand Singhvei, S/o Sri R. Amolak-chand Singhvi, at Tilak Road, Hyderabad.
   (2) Sri Rakesh Kumar Singhvi S/o Ra Amolak-chand at Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Kamalabai W/o Sri Mohanlal Nahata, resisting at H. No. 4-1-165. Hanuman Tekdi, Hyderabad. (Transferee)

(Persons in occupation of the property)

- \*(3) Transferor.
- \*(4) Transferee.

(persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Premises No. 5-9-311 and 5-9-312 situated at Gunfoundry, Hyderabad double storeyed main building with open space and mulgees, Area: 651.5 sq. ylds.

East: Partly property of Lalit Modi. West: Property of Srl Imdad Ali,

South: C. C. Road.

North: Partly property Imdad Ali.

K. S. VENKATARAMAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad.

Date : 22-2-1975 Scal :

(2) M/s. Arunoday Sahkari Crih Nirman Samiti. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 21st February 1975

Ref. No. 36—A/Acq.—Whereas, I. Bishambher Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 440/12-1 situated at T.G., Civil Lines

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 1-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; aud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandrawati Chowdhary.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot measuring 8130 sq. ft, which is situated at T.G., Civil Lines, Lucknow.

BISHAMBHER NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Hyderabad.

Date: 21-2-1975

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

#### Hyderabad, the 1st March 1975

Ref. No. RAC. No. 116/74-75,—Whereas, I, K. S. Ven-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-522/27 situated at Chikkdpalli, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 9-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri Harikishan S/o late Sri Laxmichand H. No. 21-6-77 at Chelapura, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) (1) Smt. Kontham Yadamma, W/o Sri K. Sattalah, at 16-3-688, Chanchalguda, Hyderabad.

(2) Smt. Kontham Swaroopa Laxmi, W/o Sri K. Rama Rao, H.No. 16-3-688, Chanchalguda, Hyderabad.

(Transferee)

(3) Transferee only.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Double storeyed building No. 1-8-522/27 at

Chikkadpalli, Hyderabad.

Admeasuring 557.34 sq. yds.

North: house No. 1-8-522/26

South: 30 Feet wide road

East: 30 Feet wide road West: Portion of House No. 1-8-522/27.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 3RD FLOOR, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 21st February 1975

Ref. No. Ac.-89/R-II/Cal/74-75,—Whereas, I, R. V LALMAWIA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. 81, situated at Parnashree Pally, Parnashree Pally Road No. 4, Ward No. 3, Behala, Dt. 24-Parganas (in the South Suburban Municipality)

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Cal. on 5-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Renu Bagchi, Flat No. H 2, 67, Park Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Smt. Suprava Bose, 66, Dr. Sundari Mohan Avenue, Calcutta-14.

(Transferce)

- (3) 1st Floor Sri B. N. Sinha. 2nd Floor Sri S. Maitra, and the remaining flats—the transferor. (Person in occupation of the property).
- (4) Smt. Renu Bagchi—Transferor. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1st and 2nd floor flats at Plot No. 81, Painashree Pally, Parnashree Pally Road No. 4, Ward No. 3, Behala, Dt. 24-Parganas (in the South Suburban Municipality).

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
(3rd) Floor). 54, Rafi Ahmed Kidwai, Road,
Calcutta-16.

Dato: 21-2-1975

Scal:

18---16GI/75

#### FORM 1TNS-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 3RD FLOOR, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 21st February 1975

### Ref. No. Ac-88/R-II/Cal/74-75.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA,

being the competent authority under section 269B of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovible property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23A/95, situated at Diamond Harbour Road. Calcutta (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Registrar of Assurances, Cal on 5-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent o' such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (17 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Dwijendra Lal Mazumdar S-15, Panch Shila, New Delhi. (Transferor)

- (2) (1) Sri Parameshwar Lal Sutadiya.
  - (2) Sri Debi Dutt Sutadiya,
  - (3) Sri Prabhu Dayal Sutadiya(4) Sri Banwari Lal Sutadiya,
  - (5) Sri Sant Kumar Sutadiya, and

) Sri Bimal Kumar Sutadiya, all of 24, R. N. Mukherjee Road, Calcutta-1. (Transferee)

(3) M/s. Sree Ram Tea Co. in the premises. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used

herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the same

meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two storeyed building being premises No. 23A/95. Dlamond Harbour Road, Calcutta-53. Area 11,75-kortahs.

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-II,
(3rd) Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai, Road,
Calcutta-16.

Date: 21-2-1975

Scal :

(2) M/s. Hansraj Pragji and Company.

(Iransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAYAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-20

#### Bombay-20, the 14th February 1975

Ref. No. NERURKAR, AR-I/871-1/Iul/74.—Whereas. I. R. G.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to behave that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. C. S. 238 part of Parel-Sewri Division situated at Golanji Hill Road known as Tokersey Jivraj Road (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 18-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than forecast. the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property of the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ATL THAT piece or paicel of Toka land or ground together with messuages hereditaments and premises standing thereon situate lying and being at Golanji Hill Road now known as Tokersey Jiviaj Road admeasuring 2905 sq. yds. 1c. 2429.90 sq. yards or thereabouts being plot 'H' out of the large area of 23776 sq. yds. 1e. 19879 sq. metres or thereabouts in the City and Island of Bombay and bearing New Survey Nos. 4/2443, C.R.R. No. 6244, New Survey No. 5/2443, C.R.C. 6239, 1.2,3,4 5/2440 C.R.R. No. 6335 New Survey No 1/2443, C.R.R. No. 6985 and New Survey No 1C/2443, C.R.R. No. 6200 and bearing Collector's New Nos. 81/14258, 14250, A1/14258 14398 14424 14699 A/14320, G/14230, 14234, 14243, 14261 14293 13453 14406 14430 14442 and 14916 and bearing Cadastral Survey No 238 Part of Pare-Sewn Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under ALL THAT piece or paicel of Toka land or ground to-Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under I Ward Nos 1165 (I-IC-ID) and Street Nos. 93-93A-938-93AC-93 AD F Ward No. 1165 (IE) Street No. 93 AE Tokersey Jivraj Road.

> R. G. NERURKAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

(1) The Flphinstone Spinning and Weaving Mills Co. Ltd.

(Transferor)

Date: 14-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-GAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmodabad-380009, the 30th January 1975

Ref. No. Acq. 23-I-252(132)/1-1/74-75.--Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sub-Plot No. A, F.P. No. 522, T.P.S. No. 3 situated at Chhadawad, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 18-7-1974

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income saising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Gujarat Cine Enterprises (P) Ltd. New Cloth Market, out-side Raipur Darwaja, Ahmedabad. (Transferor)
- (2) Ellisbridge Shopping Centre Owners' Association Shah Colony, out-side Shahpur Darwaja, Ahmedabad, (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5033 sq. yds. bearing Final Plot No. 522, Sub-Plot No. A of T.P. Scheme No. 3 and situated at Chhadawad, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 30-1-1975

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009 COMMIS.

Ahmedabad-3800009, the 29th January 1975

Ref. No. Acq. 23-I-286(131)/1/1/74-75.—Whereas, I, J.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and beating No.

Sheet No. 52, 55, Survey No. 4221-1-2 situated at Shahpur Ward-2, Ahmedabad (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 31-7-1974

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair-market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

- (1) (1) Bhailalbhai Manilal Patel, 20, Swastik Society, Navrangpura, Ahmedabad,
  - (2) Shii layendrabhai Bhailal Patel, 14, Chaitanya
  - Society, Navrangpura, Ahmedabad.
    (3) Shri Jitendra Bhailalbhai Patel, 23, Hindu

Colony, Navrangpura, Abmedabad. (4) Shri Mahendra Bhailalbhai Patel, 14, Chaitanya

Society, Navrangpura, Ahmedabad.
(5) Smt. Pushpaben Bhailalbhai Patel, 20, Swastik

Society Navrangpura, Ahmedabad.
(6) Smt. Kalavati Jitendra Patel. 23, Hindu Colony, Navrangpura, Ahemdabad.

(7) Rita Jayendra Patel, 14, Chaitanya Society, Navrangpura, Ahmedabad,

(8) Smt. Kamlaben Shambhudas Patel, Near Ramii Mandir, Chanasma Distt, Mehsana.

(Transferor)

(2) (1) Shri Bachubhai Tribhovandas Shah Anandji's Chawl, Opp: Calico Mills, Jamalpur, Ahmedabad,

Shri Ramanlal Manilal Bhatt, Hathikhana, Nava-vas Near Swami Narayan Mandir, Kalupur, Ahmedabad.

Organisers: For and on behalf of Pushpak Vikas Mandal and its Members.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the (b) by any said immovable property within 45 days from date of the publication of this notice in the the Official Gazette

'XPLANATION :- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Rights to construct the 3rd and 4th floor on an existing building on a land area of 2000.8 sq. yds. situated at Shahpur Ward-2, Ahmedabad bearing Survey No. 4221-1-2 Sheet No. 52, 55 and bounded as under:-

East: Road.

West: Road. North: Survey No. 4221-3

South ; Road.

J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 29-1-1975

#### FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 27th January 1975

Ref. No. 11-H/Acq.—Whereas I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 74/18 situated at Vijay Nagar Colony (Naka Hindola) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 26-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

One house measuring 3700 sft which is situated at Vijai Nagar Colony (Naka Hindola) in Lucknow.

(1) Shri Chunni Lal Chhabra and Others.

(Transferor)

BISHAMBHER NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Lucknow.

(2) Shri Harnam Singh.

Date : 27-1-1975

(Transferee) S

(2) Smt. Saroi Devi.

(Transferee)

2689

NOTICE UNDER SI:CTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th January 1975

Ref. No 48-S/Acq—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bear ng

No. Saml hu Bhawan situated at Chandausi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandausi on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house measuring 600 sgr. yds, which is situated at Sambhal gate, Chandausi in Qustt, Moradabad.

BISHAMBHER NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

(1) Shri Parmeshwar Saran Gupta.

Date: 27-1-1975

Scal:

(Transferor)

(2) Shri Mahabir Prakash Rastogi.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th January 1975

(a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette period of 30 days from the service of on the respective persons, whichever date of publication ОΓ В notice period expires later.

Ref. No. 39-M/Acq.-Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. B-99/C situated at Mahanagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 26-7-1974

for an apparent consideratoin which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot measuring 13693 sft. which is situated at Mahanagar in Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

BISHAMBHER NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Indu Shekhar Bose,

Date: 28-1-1975

Seal:

(Transferor)

within

#### FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

the

fairesaid

period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a

period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period

persons

of

'b) by any

expires later;

Official Gazette.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th January 1975

Ref. No. 16—6/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. 169 situated at Bhagwanpur

(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 9-7-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. Dhirendra Nath Chakrawarti.

(2) Shri Guru Ekbal Singh and Others.

(Transferce)

(Transferor)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house with land measuring 13,166 aft. which is situated at Village Bhagwanpur in Distt. Varanasi.

> BISHAMBHER NATH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow.

Date: 27-1-1975

Se41 :

19----16GI/75

(2) Smt, Rukmani Devi W/o Shri Sita Ram Dangayach R/o D 49 Hathi Babu Marg. Bani Park, Jaipur.
(Transferoe)

### NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1975

Ref. No. J-3/74(13)7/344.—Whereas, I. V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (41 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. D 200 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerig Officer at Jaipur on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 260D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Prem Nath Dh inda S/o Shri Sukh Ram Das R/o 12 Raj Bhawan Road, Kota.

(Transferor)

(1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-200 as also of the constructed portion near Pipaleswer Mahadev Bani Park Scheme, E Kacha Bandha Road, Jaipur. Total area of the Plot is 1201.7 sq. yards.

V. P. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION, RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1975

Ref. No. J-3/74(13)8/345.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act' have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D 200 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 6-7-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ac quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Prem Nath Dhanda S/o Shri Sukh Ram Das R/o 12 Raj Bhawan Road, Kota.

(Transferor)

(2) Smt, Kamla Devi W/o Shri Banshidhar Dangayach, R/o D 49 Hathi Babu Marg Bani Park, Jaipur, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette for a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-200 as also of the constructed portion near Pipaleswer Mahadeo Banj Park Scheme, E Kacha Bandha Road, Jaipun. Total area of the Plot is 1201.7 sq. yards.

V. P. MITTAI., Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-1-1975

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1975

Ref. No. J-3/74(13)11/348.—Whereas. I, V. P. MITTAL, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D 200 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Prem Nath Dhanda S/o Shri Sukh Ram Das R/o 12 Raj Bhawan Road, Kota.
 (Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-200 as also of the constructed portion near Pipaleswer Mahadev Bani Park Scheme, E Kacha Bandha Road, Jaipur. Total area of the Plot is 1201.7 sq. vards.

V. P. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

(2) Smt. Kanta Devi W/o Hari Narain Dangayach, R/o D 49 Hathi Babu Marg Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

Date: 29-1-1975

(2) Smt. Gulab Devi W/o Shri Hanuman Bux Dangayach R/o D 49 Hathi Babu Marg Bani Park, Jaïpur.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1975

Ref. No. J-3/74(13)10/347.—Whereas I, V. P. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value ex-

ceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. D 200 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Part of Plot No. D-200 as also the constructed portion near Pipaleswer Mahadev Bani Park Scheme, E Kacha Bandha Road, Jaipur. Total area of the Plot is 1201.7 sq. yards.

V. P. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Prem Nath Dhanda S/o Shri Sukh Ram Das R/o
 Raj Bhawan Road, Kota.

(Transferor)

Date: 29-1-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Smt. Shanti Devi w/o Shri Radhey Shyam Dangayach R/o D-49 Hathi Babu Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 29th January 1975

Ref. No. J-3/74(13)7/344.—Whereas, I, V. P. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. D-200 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jaipur on 6-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under of the the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Prem Nath Dhanda S/o Shri Sukh Ram Dass R/o 12 Raj Bhawan Road, Kota.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of Plot No. D-200 as also of the constructed portion near Pipleswer Mahadeo, Bani Park Scheme, E Kacha Banda Road, aipur. Total area of the Plot is 120.7 sq. yards.

> V. P. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 29-1-1975

(2) Shri Mahabeer Prasad.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th January 1975

Ref. No. 40—M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. A/69 situated at Durga Kund, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 16-7-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons,

(1) Shri Bhawani Pd. Jaiswal and Others.

namely :-

(Transferor)

ever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which-

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(b) by any other person interested in the said immov-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One plot measuring 5970 sft, which is situated at Durga Kund in Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 28-1-1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION, RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th January 1975

Ref. No. 12-C/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Oncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the :said Act') have reason of believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-64/127/3 situated at Sheopurva

(and more fully described

in the Schedule annexed heerto), has been transferred under the Aegistration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the registering officer

at Varanasi, in July, 1974

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the Parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transsaid Act or the Wealth Tax Act. 1937 (27 of 1957).
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Indu Bhushan and Others.

(Transferor)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house measuring 3500 sft. which is situated at Sheopurva in Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquiistion Aange,
Lucknow.

(2) Chandra Kumar Shah,

Date: 30-1-1975 Seal:

(Transferce)

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Amendment to the Notice for the Section Officers' Grade Limited Departmental Competitive Examination, 1975

New Delhi-110011, the 2th April 1975

No. F.11/2/74-E.I(E).—In the Union Public Service Commission Notice No. F.11/2/74-E.I(3) dated 22nd June, 1974 published in the Gazette of India lated 22nd June, 1974 as amended by Notice No. F.11/2/74 E.I(B) dated 29th March, 1975 the following further amendments shall be made:—

(i) (a) The figures and wores '19th August, 1974' and '2nd September 1974' occurring in the first subpara of para 4 of the Notice shall be sub-

- stituted by the figures and words '12th May 1975' and '26th May 1975' respectively.
- (b) The second sub-para of para 4 shall be omitted,
- (ii) The figures and words '19th August 1974' occurring in the 3rd sub-para of para 2(ii) of Annexure II to the Notice shall be substituted by the figures and words '12th May 1975' and the proviso under that sub-para shall be omitted.

M. S. THANVI, Under Socy. Union Public Service Commission.